त्रिपुरी टाइम्स

11th ANNIVERSARY

www.tripuritimes.com

वर्ष 11 अंक 28

जबलपुर, सोमवार 23 फरवरी 2026

पृष्ठ संख्या : 8 मूल्य : 2 रुपए

एआई समिट में दुनिया को एआई के क्षेत्र में भारत की अद्भुत क्षमताएँ देखने को मिली: मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि ग्लोबल एआई इंपैक्ट समिट में दुनिया को एआई के क्षेत्र में भारत की अद्भुत क्षमताएँ देखने को मिली हैं और इस दौरान भारत ने तीन मेड इन इंडिया एआई माडल भी लांच किए। श्री मोदी ने अपने मासिक कार्यक्रम 'मन की बात' में आज कहा कि 'मन की बात' देश और देशवासियों की उपलब्धियों को सामने लाने का एक मजबूत प्लेटफॉर्म है। देश ने ऐसी ही उपलब्धि अभी दिल्ली में हुई ग्लोबल एआई इंपैक्ट समिट के दौरान देखी। कई देशों के नेता, उद्योग जगत के लीडर्स, इन्नोवेटर्स और स्टार्ट अप क्षेत्र से जुड़े लोग, एआई इंपैक्ट समिट के लिये भारत मंडपम में एकत्र हुए। आने वाले समय में एआई की शक्ति का उपयोग दुनिया किस प्रकार करेगी, इस दिशा में यह सम्मेलन एक महत्वपूर्ण बिन्दु साबित हुई है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में मुझे विश्व के नेताओं और टेक सीईओ से मिलने का भी अवसर मिला। एआई समिट की प्रदर्शनी में मैंने विश्व नेताओं को ढ़ेर सारी चीजें दिखाई। मैं दो बातों का विशेष रूप से उल्लेख करना चाहता हूँ। सम्मिट में इन दो उत्पादों ने दुनिया भर के नेताओं को

बहुत प्रभावित किया। पहला उत्पाद अमूल के बूथ पर था। इसमें बताया गया कि कैसे एआई जानवरों का इलाज करने में हमारी मदद कर रही है और कैसे 24×7 एआई की मदद से किसान अपनी डेयरी और जानवर का हिसाब रखते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि दूसरा उत्पाद हमारी संस्कृति से संबंधित था। दुनिया भर के नेता ये देखकर हैरत में पड़ गए कि कैसे एआई की मदद से हम हमारे प्राचीन ग्रंथों को, हमारे प्राचीन ज्ञान को, हमारी पांडुलिपियों को संरक्षित कर रहे हैं, आज की पीढी के अनुरूप ढ़ाल रहे हैं। प्रदर्शनी के दौरान प्रदर्शन के लिये सुश्रुत संहिता का चयन किया गया। पहले चरण में दिखाया गया कि कैसे तकनीक की मदद से हम पांडुलिपियों की तस्वीर की गुणवत्ता सुधारकर उन्हें पढ़ने लायक बना रहे हैं। दूसरे चरण में इस तस्वीर को मशीन के पढ़ने लायक मूलपाठ में बदला गया। अगले चरण में मशीन से पढने लायक मूलपाठ को एक एआई अवतार ने पढ़ा। और फिर, अगले चरण में हमने ये भी दिखाया कि कैसे तकनीक से ये अनमोल भारतीय ज्ञान भारतीय भाषाओं और विदेशी भाषाओं में अनुवाद किया जा सकता है। भारत के प्राचीन ज्ञान को आधुनिक अवतार के माध्यम से जानने में विश्व नेताओं ने बहुत दिलचस्पी दिखाई। उन्होंने कहा कि इस समिट में दुनिया को एआई के क्षेत्र में भारत की अद्भुत क्षमताएँ देखने को मिली हैं। इस दौरान भारत ने तीन मेड इन इंडिया एआई माडल भी लांच किए। यह अपने आप में अब तक की सबसे बड़ी एआई समिट रही है। इस समिट को लेकर युवाओं का जोश और उत्साह देखते ही बन रहा था। मैं सभी देशवासियों को इस समिट की सफलता की बधाई देता हूँ।

सपा को ऑफिस में चक्कर काटने और चेहरा चमकाने में लगे रहने वालों की जरुरत नहीं!

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में मिशन 2027 को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। सभी राजनीतिक दल चुनाव में जीत हासिल करने के लिए रणनीति बनाने में जुटे हैं। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने गोपनीय तैयारी शुरू कर दी है, जिसके तहत एक ख़ास लिस्ट तैयार की जा रही है, जिसमें पार्टी कार्यकर्ताओं की गतिविधियों को लेखा-जोखा तैयार किया जाएगा। अखिलेश ने एक ऐसी लिस्ट बनाने के निर्देश दिए हैं जिनमें उन नेताओं और कार्यकर्ताओं को शामिल करने को कहा गया है जो अक्सर पार्टी दफ्तर में घूमते या टहलते नजर आते हैं और अपना ज़्यादातर समय सपा ऑफिस में चक्कर काटने या फिर केवल चेहरा चमकाने में लगे रहते हैं बजाय इसके

वो जमीनी स्तर पर सपा को मजबूत करने का काम करें। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सपा ने ऐसे नेताओं का लेखा-जोखा बनाया है, जिसमें इन नेताओं की फोटो और फोन नंबर के साथ ये जानकारी भी दर्ज की गई है कि कौन सा कार्यकर्ता कितनी बार पार्टी के ऑफिस में आया, उसने कितनी बार हाथ मिलाया और वो जमीन स्तर पर किस तरह काम कर रहा है ताकि आगामी चुनाव में ऐसे नेता को ही टिकट मिल सके जो जमीन पर लोगों के बीच रहकर पार्टी को मजबूत कर रहा है। इस रणनीति को गणेश परिक्रमा रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। सपा अध्यक्ष अखिलेश साफ तौर पर इस डेटा के आधार पर फील्ड और ऑफिस के अंतर को देखना चाहते है ताकि चुनाव में किसी ऐसे नेता को टिकट ना मिले जो सिर्फ पार्टी के मुखिया के सामने चेहरा चमकाने के लिए ऑफिस में ही घूम रहे हैं। इस सूची के जरिए ऐसे नेताओं की छंटनी कर दी जाएगी तो अपना समय बेवजह के कामों में बिता रहे हैं, जिससे साफ है कि अखिलेश इस बार उम्मीदवारों के चयन को लेकर कोई लापरवाही बरतने के मूड में नहीं हैं। चुनाव में ऐसे उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी जो सबका साथ से ज्यादा सबके काम और कमिटमेंट के साथ काम कर रहे हैं।

यूनुस के जाते ही सुधरने लगे भारत-बांग्लादेश संबंध, ढाका-आगरतला बस का ट्रायल शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश के मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रमों और नई सरकार के गठन के बाद भारत और बांग्लादेश के बीच जमी बर्फ पिघलती नजर आ रही है। मोहम्मद यूनुस के कार्यकाल के बाद तारिक रहमान के प्रधानमंत्री पद संभालने के साथ ही दोनों पड़ोसी देशों के बीच कूटनीतिक संबंधों में सकारात्मक हलचल तेज हो गई है। पिछले एक साल से अधिक समय से दोनों देशों के बीच उपजी तल्खी अब धीरे-धीरे कम होती दिख रही है, जिसका सबसे बड़ा संकेत आगरतला-ढाका सीधी बस सेवा के दोबारा शुरू होने की कवायद से मिला है। हाल ही में, ढाका से लगभग 155 किलोमीटर की दूरी तय कर एक लग्जरी बस त्रिपुरा की राजधानी आगरतला पहुंची। शुक्रवार को पहुंची इस बस ने शनिवार को वापस ढाका की ओर प्रस्थान किया। यह एक ट्रायल रन था, जिसे बांग्लादेश की नई सरकार के विशेष निर्देशों पर आयोजित किया गया था। परिवहन अधिकारियों का मानना है कि यदि तकनीकी और सुरक्षा संबंधी मानक सही पाए जाते हैं, तो बहुत जल्द ही नियमित व्यावसायिक बस सेवा को फिर से बहाल कर दिया जाएगा। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे दोनों देशों के बीच संबंधों के लिए एक शुभ संकेत बताया है। उनका कहना है कि बांग्लादेश में एक निर्वाचित और स्थिर सरकार बनने से जो अनिश्चितता का माहौल था, वह अब खत्म हो गया है। उल्लेखनीय है कि आगरतला-ढाका बस सेवा की शुरुआत ऐतिहासिक रूप से वर्ष 2003 में हुई थी। कोविड-19 महामारी के दौरान इसे कुछ समय के लिए रोका गया था, लेकिन जून

2022 में यह पुन: शुरू हुई थी। हालांकि, अगस्त 2024 में शेख हसीना सरकार के सत्ता से हटने के बाद उत्पन्न हुए द्विपक्षीय तनाव और सुरक्षा कारणों के चलते इसे एक बार फिर बंद करना पड़ा था। बस सेवा के साथ-साथ, भारतीय नागरिकों के लिए वीजा सेवाओं के सामान्य होने की खबरें भी जोर पकड़ रही हैं। जनवरी और फरवरी के आसपास सुरक्षा हालातों को देखते हुए गैर-जरूरी यात्राओं के लिए वीजा जारी करने पर तकनीकी रोक लगा दी गई थी, हालांकि चिकित्सा और आपातकालीन कारणों से वीजा मिल रहे थे। अब नई सरकार के गठन के बाद वीजा सेवाओं को रीस्टार्ट मोड में माना जा रहा है। हालांकि इसकी आधिकारिक घोषणा होना अभी बाकी है, लेकिन उम्मीद जताई जा रही है कि भारत भी सुरक्षा मानकों की समीक्षा के बाद वीजा सेवाओं को सामान्य कर सकता है।

बांग्लादेश के 43 नए सांसदों पर हत्या के मुकदमे बीएनपी के आधे से अधिक सदस्य नामजद

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हाल ही में संपन्न हुए 13वें राष्ट्रीय संसदीय चुनाव के नतीजों के बाद सांसदों की पृष्ठभूमि को लेकर चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। देश के प्रमुख नागरिक संगठन सुशासन के लिए नागरिक (शुजन) द्वारा जारी एक विस्तृत रिपोर्ट के अनुसार, नवनिर्वाचित 43 सांसदों पर हत्या जैसे संगीन अपराधों के मामले दर्ज हैं। यह विश्लेषण सांसदों द्वारा दाखिल किए गए हलफनामों के आधार पर तैयार किया गया है, जो बांग्लादेश की राजनीति में बढ़ते अपराधीकरण और धनबल के प्रभाव की ओर संकेत करता है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रमुख राजनीतिक दलों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी), जिसने इस चुनाव में बड़ी जीत हासिल की है, के सांसदों पर सबसे अधिक कानूनी मामले दर्ज हैं। बीएनपी के निर्वाचित सदस्यों में से 50.24 प्रतिशत वर्तमान में विभिन्न आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं। वहीं, कट्टरपंथी दल बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी दूसरे स्थान पर है, जिसके 47.07 प्रतिशत सांसदों पर मौजूदा मुकदमे लंबित हैं। कुल मिलाकर 142

सांसदों पर इस समय कानूनी कार्यवाही चल रही है, जबकि 185 सांसद अतीत में ऐसे मामलों का सामना कर चुके हैं। 95 सांसद ऐसे हैं जिन पर पुराने और वर्तमान दोनों ही प्रकार के मामले दर्ज हैं। पिछले चुनाव की तुलना में इस बार निर्वाचित प्रतिनिधियों के खिलाफ कानूनी मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। शिक्षा और पेशे की बात करें तो 297 निर्वाचित सांसदों में से केवल आठ के पास पीएचडी डिग्री है। सांसदों के एक बड़े हिस्से, यानी 138 के पास स्नातकोत्तर और 93 के पास स्नातक की डिग्री है, जबकि शेष सांसदों ने स्कूली स्तर तक ही शिक्षा प्राप्त की है। पेशेवर पृष्ठभूमि के लिहाज से संसद में व्यापारियों का दबदबा बरकरार है। 182 सांसद (लगभग 61 प्रतिशत) व्यवसाय से जुड़े हैं, जो राजनीति में कॉर्पोरेट हितों की बढ़ती पैठ को दर्शाता है। वकीलों की संख्या 36 है, जबकि शिक्षा, कृषि और सरकारी सेवाओं से जुड़े प्रतिनिधियों की संख्या काफी कम है। संपत्ति के मामले में भी यह संसद काफी संपन्न है। विश्लेषण के अनुसार, 271 सांसदों की व्यक्तिगत संपत्ति एक करोड़ टका से अधिक है, जबकि 187 सांसद पांच करोड़ टका से अधिक की संपत्ति के मालिक हैं। बीएनपी के 209 सांसदों में से 201 करोड़पति की श्रेणी में आते हैं। रिपोर्ट के मुख्य समन्वयक ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि संपन्न उम्मीदवारों के जीतने की संभावना अधिक रही है, जो राजनीति में कम आय वाले और आम लोगों की घटती भागीदारी को दर्शाता है। हालांकि 12 फरवरी को हुआ मतदान और जनमत संग्रह अधिकांशत: शांतिपूर्ण रहा, लेकिन सांसदों की यह प्रोफाइल लोकतांत्रिक शुचिता पर कई सवाल खड़े करती है।

निकोलस मादुरो पर अमेरिकी कार्रवाई से पड़ोसी देश गुयाना को हुआ जबरदस्त फायदा

नए खोजे गए कच्चे तेल क्षेत्र में निवेश करने के लिए बड़ी कंपनियों की लग गई लाइन

जॉर्ज टाउ, एजेंसी । वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर अमेरिकी कार्रवाई से एक छोटे देश को बहुत फायदा हुआ है। मादुरो के सत्ता से हटने के बाद वेनेजुएला के पूरब में स्थित गुयाना देश की लॉटरी लग गई क्योंकि उसके नए खोजे गए कच्चे तेल क्षेत्र में निवेश करने के लिए बड़ी कंपनियों की लाइन लग गई है। अमेरिकी कंपनी ने एक दशक पहले गुयाना के स्टैब्रोक ब्लॉक समुद्री क्षेत्र में तेल के विशाल भंडार की खोज की थी। तेल की खोज से पहले गुयाना दक्षिण अमेरिका का एक बेहद ही गरीब देश था। 10 लाख से भी कम आबादी वाले गुयाना ने तेल बेचकर और रॉयल्टी से मिले पैसों से अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत किया और 2019 में यह दो अंकों वाली अर्थव्यवस्था के साथ एक आर्थिक ताकत बनकर उभरा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इन सबके बीच गुयाना को वेनेजुएला से लगातार धमकियों और क्षेत्रीय विवाद का सामना करना पड़ा। गुयाना और वेनेजुएला के बीच एक सदी पुराना क्षेत्रीय विवाद चला आ रहा है। निकोलस मादुरो गुयाना के एसेक्विबो क्षेत्र पर कब्जा करने की धमकी देते रहे थे और उन्होंने इस क्षेत्र में सैन्य और नौसैनिक मौजूदगी बढ़ाने की कोशिश की थी। ये सारी रुकावटें गुयाना को परेशान कर रही थीं। गुयाना के तट के पास जब अरबों बैरल तेल मिलने की खबर सामने आई तब एसेक्विबो पर मादुरो के दावे और तेज हो गए थे, लेकिन अब गुयाना के रास्ते का कांटा मादुरो अमरिकी हिरास में हैं। बता दें इस साल की शुरुआत में ही अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एक सैन्य ऑपरेशन के जरिए मादुरो को अगवा करा लिया था। फिलहाल वह अमेरिका की जेल में हैं और उनके खिलाफ ड्रग्स और भ्रष्टाचार से जुड़े मामले चल रहे हैं। मादुरो के जाने से गुयाना की सारी टेंशन ही खत्म हो गई है। एक्सॉन के सीईओ डैरेन वुड्स ने मादुरो के अगवा किए जाने के बाद कहा कि मादुरो के जाने से विवादित क्षेत्र में वेनेजुएला की नौसैनिक पेट्रोलिंग कम होगी और माहौल सही होगा। रिपोर्ट के मुताबिक वुड्स ने कहा कि कंपनी को अब अतिरिक्त क्षेत्रों में जाकर तेल खोजने का भी मौका मिलेगा। अमेरिकी कंपनी शेवरॉन भी अब गुयाना के तेल क्षेत्र का हिस्सा बन गई है।

लेबनान में इजरायल का भीषण हवाई हमला, तीन स्थानीय कमांडरों सहित आठ सदस्यों की मौत

बेरुत, एजेंसी। पूर्वी लेबनान में इजराइली सेना द्वारा किए गए भीषण हवाई हमलों में हिज्बुल्लाह के कम से कम आठ सदस्य मारे गए हैं। शनिवार को सामने आई जानकारी के अनुसार, इन मृतकों में संगठन के कई स्थानीय अधिकारी और महत्वपूर्ण पदों पर आसीन कमांडर शामिल हैं। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस सैन्य कार्रवाई में कुल 10 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की है, हालांकि मंत्रालय की रिपोर्ट में आतंकवादियों और आम नागरिकों के बीच स्पष्ट अंतर नहीं बताया गया है। सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, यह हमला शुक्रवार देर रात उत्तरपूर्वी लेबनान के रयाक गांव के समीप एक तीन मंजिला इमारत को निशाना बनाकर किया गया। हमले की तीव्रता इतनी अधिक थी कि इमारत की ऊपरी मंजिल पूरी तरह जमींदोज हो गई। इजराइली सेना ने इस ऑपरेशन की पुष्टि करते हुए बताया कि बालबेक इलाके में तीन अलग-अलग कमांड केंद्रों पर सटीक हमले किए गए, जिनमें हिज्बुल्लाह की मिसाइल इकाई के कई सक्रिय सदस्य मारे गए हैं।

सेना के दावों के मुताबिक, ये सदस्य इजराइल के खिलाफ बड़े हमलों की साजिश रचने, उन्हें अंजाम देने और युद्धक क्षमताओं को बढ़ाने की गतिविधियों में सीधे तौर पर संलिप्त थे। हिज्बुल्लाह की ओर से भी इस नुकसान को स्वीकार किया गया है। मारे गए लोगों में तीन प्रमुख स्थानीय कमांडरों की पहचान अली अल-मौसावी, मोहम्मद अल-मौसावी और हुसैन याघी के रूप में हुई है। उल्लेखनीय है कि हुसैन याघी, हिज्बुल्लाह के संस्थापक सदस्यों में से एक रहे मोहम्मद याघी के पुत्र थे, जिनका पिछले वर्ष निधन हो गया था। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, पूर्वी लेबनान पर हुए इन हमलों में कुल 10 लोगों की जान गई और 24 अन्य घायल हुए हैं। घायलों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। रयाक अस्पताल के प्रबंधन ने बताया कि सूर्यास्त के बाद हुए इस हमले के बाद अस्पताल में 10 शव और 21 घायल लाए गए। मृतकों और घायलों में सीरियाई और इथियोपियाई नागरिक भी शामिल हैं, जो संभवत: वहां श्रमिक या निवासी के रूप में मौजूद थे। युद्धविराम की औपचारिकताओं के बावजूद, इजराइल और हिज्बुल्लाह के बीच तनाव कम होता नहीं दिख रहा है। इजराइल लगातार हिज्बुल्लाह के ठिकानों और उसके नेतृत्व को निशाना बना रहा है। अब तक इस संगठन के दर्जनों कमांडर इजराइली हमलों में मारे जा चुके हैं। इजराइल का स्पष्ट रुख है कि वह अपनी सीमाओं के पास किसी भी कट्टरपंथी संगठन की सक्रियता को बर्दाश्त नहीं करेगा। हिज्बुल्लाह और हमास के बीच बढ़ते तालमेल को देखते हुए इजराइल ने अपनी सैन्य कार्रवाइयों को और तेज कर दिया है, जिसका ताजा उदाहरण पूर्वी लेबनान में हुआ यह भीषण हमला है।

एडवाइजरी जारी: पोलैंड के बाद सर्बिया ने भी अपने नागरिकों को तुरंत ईरान छोड़ने का दिया निर्देश

बेलग्रेड, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में गहराते सैन्य तनाव और युद्ध की बढ़ती आशंकाओं के बीच यूरोपीय देशों में हड़कंप मच गया है। पोलैंड के बाद अब सर्बिया ने भी अपने नागरिकों के लिए सख्त एडवाइजरी जारी करते हुए उन्हें जल्द से जल्द ईरान छोड़ने की अपील की है। सर्बियाई विदेश मंत्रालय ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर जारी एक बयान में स्पष्ट किया है कि सुरक्षा व्यवस्था की लगातार बिगड़ती स्थिति को देखते हुए सर्बियाई नागरिकों को ईरान की यात्रा न करने की सलाह दी जाती है। साथ ही, जो लोग वर्तमान में ईरान में मौजूद हैं, उन्हें सुरक्षा कारणों से जितनी जल्दी हो सके देश छोड़ने के लिए कहा गया है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिका ने पिछले 22 वर्षों में मिडिल ईस्ट में अपनी अब तक की सबसे बड़ी सैन्य तैनाती कर दी है। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के परमाणु कार्यक्रमों पर सीधे सैन्य कार्रवाई की दी जा रही धमकियों ने दुनिया भर के देशों को चौकन्ना कर दिया है। सामरिक विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका और ईरान के बीच तनाव अब उस मोड़ पर पहुंच गया है जहां से पूर्ण स्तर के युद्ध की वापसी मुश्किल नजर आ रही है। सर्बिया से पहले पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने भी इसी तरह की चेतावनी जारी की थी। टस्क ने पोलिश नागरिकों से अपील करते हुए कहा था कि वर्तमान स्थिति को देखते हुए किसी को भी ईरान में नहीं रुकना चाहिए, क्योंकि यदि हथियारों से लैस संघर्ष शुरू होता है, तो कुछ ही घंटों के भीतर वहां से सुरक्षित निकलना लगभग नामुमकिन हो जाएगा।

तकनीकी खराबी के कारण नासा का मानवयुक्त मून मिशन टला, हीलियम लीक ने बढ़ाईं मुश्किलें

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने अपने महत्वाकांक्षी मून मिशन आर्टेमिस-2 को तकनीकी कारणों से फिलहाल टालने का निर्णय लिया है। यह मानवयुक्त मिशन आगामी मार्च महीने के लिए निर्धारित किया गया था, जिसमें अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा के करीब से होकर गुजरना था। नासा के प्रमुख जेरेड आइजैकमैन ने शनिवार को इस महत्वपूर्ण घोषणा की पुष्टि करते हुए बताया कि स्पेस लॉन्च सिस्टम (एसएलएस) रॉकेट में हीलियम लीक की गंभीर समस्या पाई गई है। इस खराबी के सामने आने के बाद सुरक्षा मानकों को प्राथमिकता देते हुए रॉकेट और ओरियन अंतरिक्ष यान दोनों को लॉन्च पैड से हटा लिया गया है। अब इस मिशन की नई तारीखों का निर्धारण गहन जांच और मरम्मत के बाद ही किया जाएगा। किसी भी रॉकेट प्रणाली में हीलियम गैस की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। यह प्रोपेलेंट टैंक के भीतर आवश्यक दबाव बनाए रखने का कार्य करती है, जिससे इंजन को सुचारू

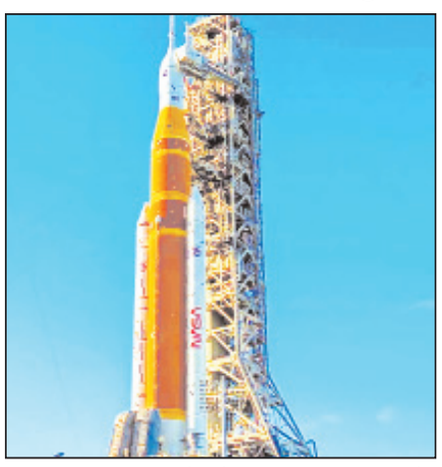

रूप से ईंधन मिलता है और वह संचालित होता है। हीलियम लीक होने का सीधा अर्थ मिशन की विफलता और अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा पर बड़ा जोखिम हो सकता था। इसी कारण विशेषज्ञों ने जोखिम न लेते हुए एसएलएस रॉकेट और ओरियन यान को वापस व्हीकल असेंबली बिल्डिंग में भेजने का फैसला किया है, जहां इंजीनियरिंग टीम बारीकी से इस तकनीकी खामी को दूर करने का प्रयास करेगी। नासा प्रमुख ने टीम की निराशा को स्वीकार करते हुए कहा कि 1960 के दशक के अपोलो मिशन के दौरान भी ऐसी कई बाधाएं आई थीं, लेकिन वैज्ञानिक मिशनों में जल्दबाजी के बजाय सावधानी बरतना अनिवार्य होता है। आर्टेमिस-2 मिशन की योजना के अनुसार, अंतरिक्ष यात्रियों को शून्य-गुरुत्वाकर्षण के बीच एक संकीर्ण केबिन में रहकर इस यात्रा को पूरा करना था। इस यात्रा के दौरान उन्हें पृथ्वी की निचली कक्षा में अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन के मुकाबले अधिक रेडिएशन का सामना करना पड़ता, हालांकि इसे सुरक्षित माना गया था। अपनी यात्रा पूरी कर पृथ्वी पर लौटते समय ओरियन कैप्सूल को वायुमंडल के घर्षण और तीव्र गति के कारण ऊबड़-खाबड़ लैंडिंग का अनुभव करना था, जिसके बाद इसे अमेरिकी पश्चिमी तट के पास प्रशांत महासागर में उतरना था। यह मिशन सीधे चंद्रमा की सतह पर उतरने के लिए नहीं था, बल्कि इसका मुख्य उद्देश्य अगले चरण आर्टेमिस-3 के लिए आधार तैयार करना था, जिसमें वास्तव में इंसानों को चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उतारा जाना है। नासा का दीर्घकालिक लक्ष्य केवल चंद्रमा पर जाना ही नहीं, बल्कि वहां अपनी स्थायी उपस्थिति दर्ज कराना है। आर्टेमिस-2 के सफल होने के बाद आर्टेमिस-4 और आर्टेमिस-5 जैसे मिशनों की योजना है, जिसके तहत चंद्रमा की कक्षा में गेटवे नामक एक छोटा स्पेस स्टेशन स्थापित किया जाएगा। यह स्टेशन भविष्य के मून मिशनों और रोबोटिक रोवर के संचालन के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में कार्य करेगा। नासा ने अंतिम बार 1970 के दशक में अपोलो कार्यक्रम के जरिए चंद्रमा पर इंसान भेजे थे, और अब दशकों बाद आर्टेमिस कार्यक्रम के माध्यम से वह अंतरिक्ष अन्वेषण के एक नए और अधिक स्थायी युग की शुरुआत करना चाहता है।

राज्यपाल ने 'मन की बात' कार्यक्रम को प्रशिक्षणाधीन पुलिस अधिकारियों के साथ सुना

मन की बात जन-भावनाओं का सम्मान करने की देती है सीख : राज्यपाल

भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि मन की बात कार्यक्रम केवल एक रेडियो प्रसारण नहीं है, बल्कि देश के कोने-कोने में हो रहे सकारात्मक परिवर्तनों और जन-भागीदारी की जीवंत गाथा है। उन्होंने कहा कि पुलिस का जनता से सीधा जुड़ाव होता है। 'मन की बात' समाज की नब्ज समझने और जन-भावनाओं का सम्मान करने की सीख देती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इस मंच से विपरीत परिस्थितियों में भी समाज के लिए कुछ अनूठा करने वाले गुमनाम नायकों की चर्चा करते हैं।

इन कहानियों से प्रेरणा लेकर पुलिस बल के सदस्य अपने व्यक्तित्व को और अधिक संवेदनशील और कर्तव्यनिष्ठ बना सकते हैं। उन्होंने सभी से आग्रह किया है कि इस कार्यक्रम को केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं मानें, बल्कि इसे नियमित सुनने की आदत में बदलें। राज्यपाल श्री पटेल रविवार को मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी में प्रशिक्षाणाधीन पुलिस के युवा अधिकारियों और नव आरक्षकों को मन की बात कार्यक्रम के प्रसारण से पूर्व संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल श्री पटेल ने प्रशिक्षुओं से कहा कि प्रशिक्षण का यह समय आपके भविष्य की नींव है। यहाँ से सीखी गई बातें और मोदी जी के विचार आपके करियर में मार्गदर्शक की भूमिका निभाएंगे। प्रशिक्षण के दौरान कानून की बारीकियां सीखते हैं। 'मन की बात' आपको लोक-कल्याण की भावना से ओत-प्रोत करती है। पुलिस के व्यवहार में शालीनता और तत्परता होनी चाहिए, ताकि पीड़ित व्यक्ति आपके पास आते समय सुरक्षित महसूस करें। पुलिस बल में अनुशासन के साथ सहानुभूति का होना अनिवार्य है। मन की बात हमें वही मानवीय दृष्टिकोण प्रदान करता है। वर्दी केवल सत्ता का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की सेवा का संकल्प है। उन्होंने कहा कि पुलिस की कार्य शैली ऐसी होनी चाहिए जो समाज में पुलिस की छवि को एक 'मित्र' और 'रक्षक' के रूप में स्थापित करें। मन की बात में देश के अलग-अलग हिस्सों की सफलता की कहानियाँ सुनने से पता चलता है कि व्यक्ति का छोटा सा प्रयास भी बड़े परिवर्तन ला सकता है। जरूरी है कि स्वयं को केवल 'ड्यूटी' तक सीमित नहीं रखें, बल्कि एक 'चेंज मेकर' के रूप में समाज में अपनी पहचान बनाएं।उन्होंने कहा कि 'मन की बात' में प्रधानमंत्री जी स्वच्छता, जल संरक्षण और डिजिटल साक्षरता जैसे विषयों पर जो मार्गदर्शन देते हैं, उन्हें अपने कार्यक्षेत्र में लागू करें। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का संवाद सिखाता है कि कठिन से कठिन परिस्थिति में भी सकारात्मकता कैसे बनाए रखी जाए। आधुनिक युग में अपराध की प्रकृति बदल रही है, इसलिए मानसिक रूप से सजग और वैचारिक रूप से समृद्ध होने की आवश्यकता है।

'मन की बातह्न कार्यक्रम को सुनकर चिंतन करें कि इसमें बताई गई कौन सी बात आप अपने जीवन और कार्यशैली में उतार सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की है कि देश भक्ति-जन सेवा की गौरवशाली परंपरा को वे सशक्त, अनुशासित और मानवीय पुलिस बल के रूप में नई ऊंचाइयों पर पहुंचाएंगे। राज्यपाल श्री पटेल का कार्यक्रम के प्रारम्भ में विशेष पुलिस महानिदेशक, मध्यप्रदेश पुलिस अकादमी के निदेशक श्री रविकुमार गुप्ता ने पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। स्मृति चिन्ह भेंट किया। अकादमी के उप निदेशक श्री संजय कुमार अग्रवाल ने अकादमी की संरचना कार्यप्रणाली के विषय में जानकारी दी। पुलिस के 44वें बैच की उप अधीक्षक सुश्री पूजा लक्षकार, 45वें बैच के उप अधीक्षक श्री विनय कुमार और नव आरक्षक अवसी दलाल ने प्रशिक्षण के अनुभवों को साझा किया। पुलिस अधीक्षक श्रीमती यास्मीन जहरा ने आभार माना। संचालन सहायक निदेशक सुश्री ज्योति उमठ ने किया।

एमपी के 3 जिलों में बूंदाबांदी कई शहरों में बादल-कोहरा

भोपाल। मध्य प्रदेश में मौसम का मिजाज एक बार फिर बदला हुआ है। 24 घंटे के दौरान जबलपुर, बुरहानपुर और नर्मदापुरम में बूंदाबांदी हुई, जबकि अन्य जिलों में बादलों की आवाजाही बनी रही। रविवार सुबह कई शहरों में हल्का कोहरा छाया रहा। बदले मौसम के चलते तापमान में 1 से 2 डिग्री की गिरावट आई है। फिलहाल, आज बारिश का कोई अलर्ट नहीं है। हालांकि, सोमवार को कुछ जिलों में वर्षा की संभावना जताई गई है। प्रदेश में सबसे कम तापमान पचमढ़ी में 10.2 डिग्री दर्ज किया गया। इसके अलावा राजगढ़ 11.0, उमरिया 13.4, रतलाम 13.6, खजुराहो 13.6, मलाजखंड 13.8 डिग्री रहा। अधिकांश शहरों में पारा 10 डिग्री से ऊपर बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, 24 घंटों में बादलों की आवाजाही जारी रह सकती है।

भोपाल में रातें ठंडी रहती हैं, दिन गर्म- भोपाल में रातें ठंडी रहती हैं, जबकि दिन गर्म। वर्ष 2014 से 2024 के बीच 4 साल दिन का अधिकतम तापमान 35 डिग्री के पार पहुंच गया था। रात में 7 साल पारा 10 डिग्री से कम दर्ज किया गया। इस बार फरवरी में दिन का तापमान 30 डिग्री के पार है।

इंदौर में बारिश का ट्रेंड नहीं- फरवरी में इंदौर में बारिश होने का ट्रेंड नहीं है। 2014 और 2015 में बूंदाबांदी जरूर हुई थी। दूसरी ओर दिन में अधिकतम तापमान 30 डिग्री के पार ही रहता है। 2019 में तापमान 35 डिग्री दर्ज किया गया था। यहां रात में पारा 10 डिग्री के नीचे रहता है।

ग्वालियर में कड़ाके की ठंड- ग्वालियर में कड़ाके की ठंड का ट्रेंड रहता है। इसकी वजह यहां सीधे उत्तरी हवाएं आना है। 4 फरवरी 2018 की रात में न्यूनतम पारा रिकॉर्ड 1.9 डिग्री दर्ज किया गया था। साल 2019, 2022 और 2023 में न्यूनतम तापमान 3 डिग्री से नीचे ही रहा। पिछले साल ग्वालियर में बारिश भी हुई थी। इस बार यहां फरवरी के पहले ही दिन बारिश का दौर रहा है।

जबलपुर में भी बदला रहता है मौसम- जबलपुर में भी मौसम बदला रहता है। फरवरी के दूसरे सप्ताह के बाद दिन का अधिकतम तापमान 30 डिग्री से अधिक रहता है, जबकि रात में तापमान न्यूनतम 11 डिग्री के आसपास रहता है। यहां फरवरी में बारिश का भी ट्रेंड है। 10 में से 6 साल यहां बारिश हो चुकी है। उज्जैन में गर्मी और ठंड के साथ बारिश भी होती है। दिन में अधिकतम तापमान 30 डिग्री के पार ही रहता है।

जबलपुर में ट्रक ने युवती को कुचला,धड़ से सिर अलग

शासकीय ITI के सामने की घटना, पुलिस ने ट्रक किया जब्त, ड्राइवर हिरासत में

जबलपुर। जबलपुर में एक युवती को तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया। घटना रविवार को शाम करीब 5 बजे की है। यहां माढ़ोताल थाना क्षेत्र में शासकीय आईटीआई के सामने तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी सवार युवती को टक्कर मार दी। हादसे में युवती का सिर उसके धड़ से अलग हो गया। पुलिस के मुताबिक मौके पर ही युवती की मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है।पुलिस ने ट्रक को जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया है। प्रारंभिक कार्रवाई के तहत वाहन और चालक से संबंधित दस्तावेजों की जांच की जा रही है। मृत युवती की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है। स्कूटी के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर पहचान की कोशिश की जा रही है। संबंधित थानों को भी सूचना भेजी गई है। माढ़ोताल थाना पुलिस ने बताया कि मामले में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के बयान लिए जा रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मालवा की अनुकूल भौगोलिक स्थिति और सुदृढ़ अधोसंरचना से औद्योगिक विकास को मिली नई गति : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

राज्य सरकार औद्योगिक एवं उभरते क्षेत्रों में नई ऊँचाइयाँ तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध

पीथमपुर इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव में 40 वर्षों की औद्योगिक यात्रा का उत्सव

औद्योगिक उत्कृष्टता सम्मान एवं मध्यप्रदेश के औद्योगिक विकास गान का प्रदर्शन

मुख्यमंत्री, पीथमपुर इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव एवं पुस्तक विमोचन समारोह में हुए सम्मिलित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश के औद्योगिक विकास में मालवा का अपना विशिष्ट महत्व है। मालवा क्षेत्र की अनुकूल जलवायु और भौगोलिक स्थिति उद्योगों के लिए अत्यंत उपयुक्त है। दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों तक 8-लेन एक्सप्रेस-वे से दूरी कम होने से यातायात और लॉजिस्टिक्स की सुविधाएं सुदृढ़ हुई हैं। प्रदेश सरकार द्वारा नए प्रोजेक्ट्स के माध्यम से परिवहन और आधारभूत संरचना को और मजबूत किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को इंदौर में पीथमपुर औद्योगिक संगठन द्वारा पीथमपुर इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव एवं पुस्तक विमोचन समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में उद्योग, महिला, किसान और गरीब—हर वर्ग के विकास की बयार देश में बह रही है। विभिन्न वैश्विक संगठनों के साथ व्यापारिक समझौते और नई ट्रेड डील्स के माध्यम से भारत निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर होकर विश्व पटल पर अपना परचम लहरा रहा है। देश व्यापार और वाणिज्य के स्वर्णिम काल की ओर बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। उद्योगों का दायरा निरंतर विस्तारित किया जा रहा है, जिससे औद्योगिक विकास की अवधारणा केवल पीथमपुर तक सीमित न रहकर पूरे प्रदेश और देश में नए आयाम स्थापित करे। हमारी सरकार प्रदेश को औद्योगिक क्षेत्र में नई ऊँचाइयों तक पहुंचाने तथा अंतरिक्ष जैसे उभरते क्षेत्रों में भी संभावनाओं को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि एमपीआईडीसी के माध्यम से इंडस्ट्रियल बेल्ट के समग्र विकास के प्रयास प्रदेश को नई उपलब्धियां प्रदान करेंगे। ये प्रयास मध्यप्रदेश को औद्योगिक रूप से फ्रेंडली प्रदेश बनाने में कारगर सिद्ध होंगे और उद्यमशीलता के विकास को नई दिशा देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि डॉ. गौतम कोठारी ने साहित्य की साधना के माध्यम से पीथमपुर की 40 वर्षों की भावपूर्ण यात्रा को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया है। वर्ष 1983-84 के दशक में जब मूलभूत सुविधाओं का अभाव था, तब भी पीथमपुर की औद्योगिक बेल्ट ने संघर्ष, परिश्रम, धैर्य और नवाचार के बल पर अपनी पहचान स्थापित की। आज फार्मास्युटिकल से लेकर ऑटोमोबाइल तक हर क्षेत्र में पीथमपुर ने देश और प्रदेश में विशिष्ट स्थान बनाया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने चार्टर्ड अकाउंटेंसी के क्षेत्र में समर्पित क्ल्ल२३३४३ी ङ्ग उँ१३ीपीाि अङ्ग४ल्ल३ल्ल३२ ङ्गा क्ल्र्रां (क्ठअक) भवन की स्थापना की सराहना करते हुए कहा कि यह भवन वित्तीय अनुशासन, पारदर्शिता और पेशेवर उत्कृष्टता को नई मजबूती प्रदान कर रहा हैं। **40 वर्षों की विकास यात्रा पर आधारित स्मारक ग्रंथ का विमोचन-** मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र की 40 वर्षों की विकास यात्रा पर आधारित पीथमपुर औद्योगिक संगठन के अध्यक्ष डॉ. गौतम कोठारी द्वारा लिखित स्मारक ग्रंथ ह्लढ३ँस्र४१ : ी१ङ्ग ३ङ्गील्ल३ँ ङ्म अ खङ्ग४१ल्लीं८ ङ्गा 40 ी१२ह्ण का विमोचन किया। यह ग्रंथ पीथमपुर की औद्योगिक उत्कर्ष गाथा, उपलब्धियों एवं क्रमिक विकास का विस्तृत दस्तावेज प्रस्तुत करता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का सम्मान

पीथमपुर औद्योगिक संगठन द्वारा प्रदेश के औद्योगिक विकास को गति प्रदान करने एवं निवेश संवर्धन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों हेतु मुख्यमंत्री डॉ. यादव का सम्मान किया गया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों ने शॉल श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर प्रदेश के औद्योगिक विकास में उनके नेतृत्व एवं प्रतिबद्धता के लिए साधुवाद दिया गया।

एंकर्स ऑफ इंडस्ट्रियल एक्सीलेंसह्न सम्मान प्रदान

प्रदेश में औद्योगिक विकास को नई दिशा देने एवं निवेश प्रोत्साहन हेतु किए गए प्रभावी प्रयासों के लिए ह्लएंकर्स ऑफ इंडस्ट्रियल एक्सीलेंसह्न सम्मान प्रदान किया गया। विशेष रूप से पीथमपुर औद्योगिक संगठन (ढअर) के संस्थापक सदस्यों—वर्ष 1980 के मध्य से 1990 के मध्य तक—के 40 अग्रणी उद्योगपतियों को उनके दूरदर्शी नेतृत्व एवं औद्योगिक नगरी की सुदृढ़ नींव रखने में योगदान हेतु सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को लुप्तप्राय प्रजातियों के 5 गिद्धों को हलाली डेम क्षेत्र में करेंगे मुक्त

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 23 फरवरी सोमवार को हलाली डेम क्षेत्र में लुप्तप्राय प्रजाति के 5 गिद्धों को प्राकृतिक आवास में मुक्त करेंगे। इनमें चार भारतीय गिद्ध (जिप्स इंडिकस) और एक सिनेरियस गिद्ध (एजिपीयस मोनाकस) शामिल हैं। उच्च परिशुद्धता वाले जीपीएस-जीएसएम उपग्रह ट्रांसमीटरों से सुसज्जित पाँच दुर्लभ प्रजाति के गिद्धों को भोपाल स्थित गिद्ध संरक्षण प्रजनन केंद्र में व्यवस्थित अनुकूलन और अवलोकन अवधि के बाद मुक्त किया जा रहा है। टैगिंग प्रक्रिया सभी संबंधित संस्थाओं एवं वन विभाग के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में वाइल्डलाइफ एसओएस के वन्यजीव पशु चिकित्सक की देखरेख में हुई। यह पहल मध्यभारत के विकसित होते ह्लगिद्ध परिदृश्यह्न को समझने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जहाँ भारतीय गिद्ध सामान्यतः एक ही क्षेत्र में रहते हैं, वहीं सिनेरियस गिद्ध मध्य एशियाई फ्लाईवे के अंतर्गत लंबी दूरी का प्रवास करते हैं, जो 30 से अधिक देशों तक फैला विश्व का एक प्रमुख प्रवासी पक्षी गलियारा है। पक्षी संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मध्यप्रदेश वन विभाग ने डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया और बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी के सहयोग से गिद्धों की गतिविधियों और निगरानी के लिए उपग्रह टेलीमेट्री कार्यक्रम प्रारंभ किया है। टेलीमेट्री से प्राप्त आंकड़ों के माध्यम से गिद्धों के भूदृश्य उपयोग, आवागमन पैटर्न और मानव-जनित दबावों के प्रति उनकी प्रतिक्रिया के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होती है। इससे प्रमुख पड़ाव स्थलों और भोजन क्षेत्रों की पहचान, संरक्षित एवं मानव-प्रधान क्षेत्रों में उनकी पारिस्थितिकी को समझने तथा बिजली के झटके, विषाक्तता और आवास क्षरण जैसे उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान करने में सहायता मिल रही है। इस प्रक्रिया में संग्रहित वैज्ञानिक प्रमाण अधिक प्रभावी खतरा-निवारण रणनीतियाँ विकसित करने और सीमा-पार सहयोग सहित भूदृश्य स्तर पर संरक्षण योजनाओं को सशक्त बनाने में सहायक होंगे। मध्यप्रदेश में उपग्रह टेलीमेट्री से गिद्ध संरक्षण की एकीकृत डेटा-आधारित एवं भूदृश्य-स्तरीय संरक्षण का पारिस्थितिकी तंत्र विकसित हुआ है। इससे लुप्तप्राय गिद्ध प्रजातियों का संरक्षण होगा और पर्यावरणीय स्वास्थ्य के प्रहरी के रूप में उनकी भूमिका भी दीर्घकालिक रूप से सुनिश्चित होगी।

केंद्रीय मंत्री को गर्ल्स हॉस्टल में कच्ची रोटियां मिलीं

निवाड़ी। केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार खटीक रविवार को निवाड़ी के पृथ्वीपुर कस्तूरबा गांधी बालिका छात्रावास पहुंचे। निरीक्षण के समय मेस में भोजन तैयार किया जा रहा था। मंत्री खटीक ने भोजन की क्वालिटी चेक की। रोटियां अधपकी मिलीं। पूरी तरह से सिकी नहीं थीं। इस दौरान मंत्री खटीक ने हॉस्टल में खाना बनाने वाली महिला को समझाइश दी। उन्होंने कहा कि रोटियां थोड़ी कच्ची हैं। ठीक से सेंकने की जरूरत है। इन बेटियों को अपनी बेटी समझकर भोजन बनाओ और खिलाओ। किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

मंत्री ने हॉस्टल में छात्राओं से बातचीत की- डॉ. खटीक ने निरीक्षण के दौरान छात्रावास में रह रही छात्राओं से बातचीत की। उन्होंने बिजली व्यवस्था, पेयजल, पलंगों की स्थिति और सुरक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। छात्राओं ने अपनी पढ़ाई, दिनचर्या और भविष्य की योजनाओं के बारे में बताया।

छात्राएं बोलीं- मेस छोटा है, प्लेग्राउंड नहीं है- इस दौरान छात्रा दीपिका कुशवाहा ने बताया कि जब मंत्री आए तो उन्होंने खाने के इंतजाम के बारे में पूछा। यह भी पूछा कि क्या कमी है। हमने उनसे कहा कि मेस छोटा है, उसे बड़ा करा दीजिए। उन्होंने हमें भरोसा दिलाया कि अगली बार वे हमारे साथ खाना खाएंगे। वहीं छात्रा रचना कुशवाहा ने बताया कि हॉस्टल में 100 स्टूडेंट रहते हैं। उन्होंने मिनिस्टर को अपनी डिमांड बताई। प्लेग्राउंड की कमी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वे कलेक्टर से बात करके डिमांड पूरी करेंगे।

प्रदेश में विकास को बनाया गया है राष्ट्रनिर्माण का आधार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में चहुँओर तेज गति से विकास हो रहा है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के संतुलित विकास से ही हम मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। हमने विकास को राष्ट्र निर्माण का आधार बनाया है, हम उसी संकल्प को लेकर प्रदेश को आगे बढ़ा रहे हैं। प्रदेश में हो रहे विकास कार्य आने वाले समय में शिक्षा, पर्यटन और बुनियादी सुविधाओं का नया केंद्र बनाएंगे। प्रदेश सरकार का लक्ष्य है कि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। मध्यप्रदेश सरकार विकास के प्रति प्रतिबद्ध है और आने वाले समय में क्षेत्र में और तेजी से विकास कार्य किए जाएंगे। उन्होंने जनजातीय नायक टंट्या मामा के सम्मान में किए जा रहे कार्यों का भी उल्लेख किया और भगोरिया उत्सव को राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाने के निर्णय की जानकारी दी। उन्होंने महूगांव को सौगात देते हुए यहां 100 बिस्तरों का नया अस्पताल बनाने और महूगांव नगर परिषद को नगर पालिका का दर्जा दिया जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को इंदौर जिले के महू विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत महूगांव में 85 करोड़ रुपये लागत के विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख की प्रतिमा का अनावरण करते हुए 4.50 करोड़ रुपये की लागत से विकसित नानाजी देशमुख पर्यटक स्थल का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 38 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित सांदीपनि शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महू और एक करोड़ रुपये की लागत से निर्मित चंद्रशेखर आजाद सरोवर (काकड़पुरा तालाब) पार्क एवं घाट का लोकार्पण कर सम्पूर्ण क्षेत्र का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राष्ट्रऋषि नानाजी देशमुख को स्मरण करते हुए कहा कि वे केवल एक राजनेता नहीं।

उल्लास का उत्सव भगोरिया मेला

भोपाल । भगोरिया मेला प्रदेश के झाबुआ, आलीराजपुर आलीराजपुर, खरगौन, बड़वानी और धार के भील, भिलाला और बारेला जनजाति द्वारा होली से सात दिन पहले मनाया जाने वाला सात दिवसीय प्रसिद्ध जनजातीय उत्सव है। फसल कटाई का जश्न होली के सात दिन पहले शुरू होने वाला यह मेला, फसल कटाई के बाद जनजातीय समुदाय द्वारा उल्लास के साथ मनाए जाने वाला का त्यौहार है। भगोरिया में पारम्परिक रूप से जीवन साथी चुनने, रंग-गुलाल लगाने, नृत्य-संगीत और खरीदारी करने की उदात्त भावनाएँ मुखरता से प्रदर्शित होती है। फागुन महीने में जब चारों ओर प्रकृति में नया उल्लास होता हैं तब पश्चिम निमाड़ से झाबुआ तक के जनजातीय क्षेत्रों के साप्ताहिक हाट बाजार भगोरिया के रंग में रंगे होते हैं। मेले में हर तरफ फागुन और इन्द्रधनुषी प्रेम के रंग नजर आते हैं। इन मेलों में मुख्य रूप से होली के लिए खरीददारी करने के लिए लोग आते हैं। गैर जनजातीय समुदाय के लिए भी भगौरिया के साप्ताहिक हाट बाजार विशिष्ट होते हैं। इसका सभी व्यापारियों को भी इंतजार रहता है। इसमें दुकानदार साल भर की कमाई, भगोरिया के साप्ताहिक बाजार से कर लेते हैं। भगोरिया हाट (बाजार) में जरूरत की वस्तुएं, मिठाइयाँ और पारंपरिक आभूषण बिकते हैं। भगोरिया मेले में बड़े-बड़े ढोल और मांदल की थाप पर पारंपरिक आदिवासी नृत्य किया जाता है, जिसमें विभिन्न दल

ग्रामीण पारंपरिक वेशभूषा में भाग लेते हैं। वाद्य यंत्रों के साथ शामिल होने वाले विभिन्न दल एक ही रंग के वस्त्रों में अपनी अलग पहचान के साथ छटा बिखेरते हैं। महिलाओं के साथ पुरूष भी चांदी के आभूषणों से सज्जित होकर पारम्परिक वाद्य यंत्रों की ताल पर थिरकते हैं। चांदी के आभूषण भील जनजाति में समृद्धि के प्रतीक हैं। भगोरिया मेल-मिलाप, आनंद और उल्लास का उत्सव है। माना जाता है कि इसमें युवा अपनी पसंद के साथी को गुलाल लगाकर या पान खिलाकर अपने प्रेम को अभिव्यक्त करते हैं। भगोरिया में मनपसंद के साथी के साथ भागकर विवाह करने की मान्यता भी प्रचलित है। भगोरिया पर्व होली के सात दिन पहले से शुरू होकर होलिका दहन तक चलता है। यह मुख्य रूप से मध्यप्रदेश के झाबुआ, आलीराजपुर, धार, बड़वानी और खरगोन जिलों के विभिन्न गाँवों में साप्ताहिक बाजार के दिन आयोजित होता है। भगोरिया मेला आदिवासी संस्कृति, उमंग और जीवन को करीब से जानने का एक अनूठा अवसर प्रदान करता है।

वालपुर का प्रसिद्ध भगोरिया

आलीराजपुर जिले के वालपुर का भगोरिया मेला अपनी ऐतिहासिक प्राचीनता, आदिवासी संस्कृति के जीवंत रंगों और अनूठी पारंपरिक मान्यताओं के लिए प्रसिद्ध है। किंवदंती है कि इस मेले की शुरूआत राजा भोज के समय में भील राजाओं द्वारा की गई थी। आलीराजपुर जिले के वालपुर में तीन प्रांतों की जनजातीय संस्कृति के रंग दिखाई देते हैं। यह स्थान तीन प्रांतों (मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, और गुजरात के निकट) की सांस्कृतिक संस्कृति का संगम स्थल होने के कारण भी विशेष जाना जाता है। वालपुर का मेला आदिवासी संस्कृति और आधुनिकता का एक अद्भुत मिश्रण है, जहाँ पारंपरिक वेशभूषा और आभूषणों के साथ, ढोल-मांदल की थाप पर आदिवासी युवा थिरकते हैं।

भगोरिया प्रदेश में राजकीय उत्सव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 4 मार्च 2025 को 'भगोरिया पर्व' को मुख्यमंत्री निवास में आयोजित जनजातीय देवलोक महोत्सव में राजकीय उत्सव किया। उन्होंने कहा कि भगोरिया उल्लास का पर्व है। यह फागुन के रंगों से सराबोर प्रकृति की खुशबू में कुछ पल थम जाने और इसी में रम जाने का पर्व है। हमारी सरकार भगोरिया का उल्लास बरकरार रखेगी। वर्ष 2026 में भगोरिया महोत्सव 24 फरवरी मंगलवार से प्रारंभ होगा। यह 2 मार्च सोमवार तक चलेगा। बड़वानी जिले में सोमवार 2 मार्च को निवाली में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भगोरिया महोत्सव में शामिल होंगे।

विकसित मध्यप्रदेश और विकसित भारत के संकल्प को साकार करेगा प्रदेश का बजट : राकेश सिंह

अभ्युदय मप्र बजट 2025-26 विषय पर लोक निर्माण मंत्री ने किया पत्रकारवार्ता को सम्बोधित

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

प्रदेश का बजट विकसित मध्यप्रदेश और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बजट में क्षेत्र के समग्र विकास, निवेश प्रोत्साहन और बेहतर जीवन गुणवत्ता की दिशा को साकार करने के प्रावधान किये गए है, यह बात मप्र के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने अभ्युदय मप्र बजट 2025-26 विषय पर पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए होटल नर्मदा जेक्शन सिविल लाइन में कही। पत्रकार वार्ता में महानगर जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, ग्रामीण जिला अध्यक्ष राजकुमार पटेल, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, विधायक अभिलाष पांडे, नीरज सिंह, संतोष बरकडे, जिप अध्यक्ष आशा गोंटिया, नगर निगम अध्यक्ष रिंकूज विज, मीडिया प्रभारी श्रीकांत साहू, सह मीडिया प्रभारी रवि शर्मा, नितिन भाटिया उपस्थित थे। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा मध्य प्रदेश की वित्त मंत्री और उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने 18 फरवरी 2026 को विधानसभा में वित्तीय वर्ष 2026-2027 के लिए 4.38 लाख करोड़ का बजट प्रस्तुत किया, जो वित्तीय वर्ष 2025-2026 के 4.21 लाख करोड़ की तुलना में लगभग 4.0% अधिक है। वर्ष 2026-2027 के लिए राजकोषीय घाटा 4% रहने का अनुमान है। मंत्री श्री सिंह ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी देश में चार जातियों का उल्लेख किया है और श्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के बजट में इन चार जातियों जिन्हे हम ॅ८ल्ल कहते है उनके उत्थान की दिशा में केंद्र का बजट पेश किया गया इसीलिए तरह मध्य प्रदेश बजट 2026-27 का बजट 'ॠअठ-क्क्र (ज्ञानी) के सिद्धांत पर आधारित है। इसमें गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी शक्ति (ॠअठ) के साथ-साथ औद्योगिकीकरण एवं अधोसंरचना (क्क्र) को भी जोड़ा गया है। इस प्रकार, रोजगार सृजन, उत्पादन क्षमता में वृद्धि और दीर्घकालिक विकास अब बजट की केंद्रीय धुरी होंगे।

कृषि विकास एवं किसानों का कल्याण

मंत्री श्री सिंह ने कहा मध्य प्रदेश विद्युत मंडल द्वारा 5 एच.पी. तक के कृषि पंप/प्रेशर तथा एक घरेलू कनेक्शन को निःशुल्क विद्युत उपलब्ध कराने हेतु प्रतिपूर्ति के अंतर्गत 5,276 करोड़ का प्रावधान किया गया है। दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन (60:40 प्रतिशत शेयरिंग पैटर्न) के अंतर्गत 335 करोड़ का प्रावधान किया गया है। समर्थन मूल्य पर किसानों से फसल उपार्जन पर बोनस भुगतान हेतु 150 करोड़ का प्रावधान किया गया है। सहकारी बैंक के माध्यम से कृषकों को आपातकालीन ऋण पर ब्याज अनुदान के अंतर्गत 720 करोड़ का प्रावधान। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री कृषक सूर्य मित्र योजना के अंतर्गत 3,000 करोड़ की लागत से 1 लाख सोलर सिंचाई पंप किसानों को उपलब्ध कराए जाने का लक्ष्य। पशुपालन गतिविधियों के लिए 2,364 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है। इसमें 'गौ-संवर्धन एवं पशुओं का संवर्धन योजना' के लिए 620 करोड़ 50 लाख तथा मुख्यमंत्री पशुपालन विकास योजना' के लिए 250 करोड़ का प्रावधान सम्मिलित है।

गरीब कल्याण

मंत्री श्री सिंह ने कहा प्रदेश सरकार ने गरीब कल्याण के लिए बजट में प्रावधान किये है जिनमे पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त, घुमक्कड़ एवं अर्ध-घुमक्कड़ वर्ग के लिए 1,691 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है। उन्होंने कहा राष्ट्रीय परिवार सहायता योजना, दिव्यांगों को आर्थिक सहायता, मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह योजना, माता-पिता भरण पोषण योजना, अटल वयो-अभ्युदय योजना आदि में आवश्यक धनराशि की व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है। इन सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए 2,857 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।

नारी कल्याण

श्री सिंह ने कहा नारी कल्याण की दिशा में आगे बढ़ते हुए प्रदेश सरकार ने लाड़ली लक्ष्मी योजना 2.0 के अंतर्गत अब तक 52 लाख 29 हजार बालिकाओं को लाभान्वित किया गया है। इसके साथ ही योजना में 14 लाख 12 हजार बालिकाओं को छात्रवृत्ति भी प्रदान की गई है। इस योजना के लिए 1,801 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है। नवीन प्रस्तावित 'यशोदा दुग्ध प्रदाय योजना के अंतर्गत कक्षा 8 तक के प्रत्येक विद्यार्थी को अतिरिक्त पोषण प्रदान करने के उद्देश्य से टेट्रा पैक में दुग्ध प्रदान किया जाएगा। वर्ष 2026-27 में इस योजना के अंतर्गत 80 लाख विद्यार्थियों को दुग्ध पैकेट वितरित किए जाने का लक्ष्य है। आगामी पाँच वर्षों हेतु इस योजना का आकार 6,600 करोड़ है, जिसमें से इस बजट में 700 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है। श्री सिंह ने कहा मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना 2023 के अंतर्गत 23,883 करोड़ का प्रावधान बजट में किया गया है।

अवसंरचना विस्तार तथा संधारण

मंत्री श्री सिंह ने कहा अवसंरचना विस्तार तथा संधारण के लिए सरकार ने सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण एवं संधारण के लिए वर्ष 2026-27 में 14,742 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित किया है। उन्होंने बताया प्रदेश में सड़क नेटवर्क (Road Network)

मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है। 12,690 करोड़ सड़क मरम्मत, ग्रामीण-शहरी सड़क नेटवर्क विस्तार और कनेक्टिविटी सुधार के लिए आवंटित । 21,630 करोड़ की मुख्यमंत्री मजरा-टोला सड़क योजना को मंजूरी दी गई, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क नेटवर्क का विस्तार किया जाएगा। श्री सिंह ने कहा पूंजीगत कार्यों में अधिक निवेश के लिए विभिन्न वित्तीय उपकरण, जैसे इन्विट (InvIT), रीट (REIT) तथा वेंचर कैपिटल फंड (VCF) आदि का उपयोग किया जाएगा। इस हेतु प्रदेश का पहला सोशल इम्पैक्ट बॉन्ड शीघ्र ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के सोशल स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध होगा।

प्रदेश में निवेश तथा औद्योगीकरण

श्री सिंह में कहा प्रदेश को अंतरिक्ष विज्ञान के नवीन क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए 'मध्यप्रदेश स्पेसटेक नीति 2026' का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाएगा। देश को टेलीकॉम क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए ग्वालियर में टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन (ळटे) की स्थापना की दिशा में कार्यवाही प्रचलित है।

स्वास्थ्य सेवाएं

श्री सिंह में बताया प्रदेश में जन-जन की भागीदारी के आधार पर धार, बैतूल और पन्ना में नई छात्रवृत्ति सुविधाओं के लिए महाविद्यालयों के अनुबंध नियुक्तियां पूरी हो चुकी हैं। इसके अलावा 9 अन्य महाविद्यालयों को क्रमशः श्योपुर, मुरैना, खरगौन, अशोकनगर, गुना, बालाघाट, टीकमगढ़, सीधी और शाजापुर में प्रारंभ की प्रक्रिया चल रही है।

नगरीय विकास

श्री सिंह ने बताया प्रधान मुख्यालय के उद्देश्य से पीएम ई-बस सेवा अंतर्गत कुल 972 इलेक्ट्रिक बसों के परिचालन की स्वीकृति दी गई है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, सागर और उज्जैन में 472 ई-बसों का संचालन हो रहा है। हरित विकास को प्रोत्साहित किए जाने हेतु मध्यप्रदेश ई-वाहन नीति 2025 प्रभावशील की गई है। प्रदेश के नगरीय निकायों में आधार स्तर पर अधोसंरचना विकास को गति देने के लिए निम्नलिखित प्रस्तावित द्वारका नगर योजना अंतर्गत आगामी 3 वर्षों में 5 हजार करोड़ का निवेश लक्षित है। उन्होंने बताया नगरीय क्षेत्रों में आवास हेतुः 2,316 करोड़, नगरों की सड़क मरम्मत के लिएः 349 करोड़, अमृत 2.0 के अंतर्गतः 3,467 करोड़, नगरीय निकायों को मूलभूत सेवाओं हेतु एकमुश्त अनुदान के लिए वर्ष 2026-27 मेंः 1,057 करोड़ प्रस्तावित किये गए है।

ग्रामीण विकास

श्री सिंह ने कहा 'विकसित भारत जी राम जी कार्यक्रम के तहत जल संरक्षण, ग्रामीण ढाँचागत सुविधायें, आजीविका तथा प्रतिकूल मौसमी घटनाओं के प्रभावों को कम करने के कार्यों को भी सम्मिलित किया गया है। योजना के अंतर्गत अब 100 दिन के स्थान पर 125 दिन का रोजगार उपलब्ध होगा। उन्होंने बताया ग्रामीण क्षेत्र में वर्ष 2026-27 में 8,000 किलोमीटर सड़कों का पुनः डामरीकरण, 600 किलोमीटर सड़कों का उन्नयन तथा 89,000 किलोमीटर सड़कों के संरक्षण का लक्ष्य है। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत वर्ष 2026-27 में 2 लाख व्यक्तिगत पारिवारिक शौचालय निर्माण तथा 505 सामुदायिक स्वच्छता परिसर के निर्माण का लक्ष्य है। पंचायतो को सतत विकास में सहायता देने के उद्देश्य से मूलभूत सेवाओं हेतु अनुदान में इस वर्ष 3,736 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है।

ग्रीन बजट

श्री सिंह ने कहा प्रदेश के बजट को ग्रीन बजट के रूप में बनाया गया है उसके अंतर्गत उज्जैन, सिवनी, छिंदवाड़ा और भोपाल के अतिरिक्त ओरछा, धारेश्वर (मंदसौर) और बुरहानपुर में सांस्कृतिक केंद्रों की स्थापना की जाएगी। वन भूमि से अतिक्रमण हटाकर पौधारोपण कार्य के लिए नवीन योजना समृद्धिवन वनवृद्धि से जन समृद्धि तथा निजी भूमि पर पौधारोपण कर काष्ठ की आवश्यकता की पूर्ति के माध्यम से आय का साधन बढ़ाने के लिए कृषि वानिकी योजना' प्रस्तावित है, साथ ही आध्यात्मिक महत्व एवं सांस्कृतिक विरासत के वन क्षेत्रों के संरक्षण की 'जनजातीय देवलोक वनों की संरक्षण योजना नवीन योजना प्रस्तावित है।

पर्यटन एवं संस्कृति

श्री सिंह कहा मध्यप्रदेश, देश का पहला प्रदेश है जिसने ईको-संवेदनशील जोनल मास्टर प्लान बनाने का कार्य प्रारंभ है। ओंकारेश्वर, भोजपुर, सलकनपुर, रायसेन कला, जानापाहा, भेड़ाघाट से लेकर चौसठ योगिनी और नरसिंह कला में रोप-वे कार्य प्रस्तावित हैं। राज्य सरकार ने सिंहस्थ कुंभ मेले (उज्जैन सिंहस्थ) के लिए वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में विशेष रूप से 3,600 करोड़ का प्रावधान किया है। यह प्रावधान मेले की तैयारी और संबंधित बुनियादी ढांचे के कार्यों का समर्थन करने के उद्देश्य से किया गया है।

लोक निर्माण से लोक कल्याण- के लक्ष्य को साकार करता मध्य प्रदेश का बजट

लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह ने कहा -लोक निर्माण से लोक कल्याण- के लक्ष्य को साकार करते हुए प्रदेश में अधोसंरचना विकास कार्य निरंतर गति पकड़ रहे हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक 2,190 किलोमीटर सड़कों का निर्माण एवं उन्नयन, 992 किलोमीटर सड़कों का नवीनीकरण तथा 30 पुलों एवं रेलवे ओवर ब्रिजों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। उन्होंने कहा इसके अतिरिक्त लगभग 3,000 करोड़ लागत के प्रमुख कार्य पूर्ण हुए हैं, जिनमें सिक्स लेन कोलार रोड, भोपाल में गायत्री मंदिर से गणेश मंदिर तक फ्लाईओवर तथा मप्र का सबसे बड़ा मदनमहल से दमोहनाका तक लगभग 11 सौ करोड़ की लागत का एलीवेटेड कॉरिडोर शामिल हैं। श्री सिंह कहा प्रदेश में वर्तमान में 111 रेलवे ओवर ब्रिजों के साथ अटेर-जेतपुर मार्ग पर चंबल नदी पर उच्च स्तरीय पुल, भोपाल के संत हिरदाराम नगर में एलीवेटेड कॉरिडोर, ग्वालियर में स्वर्ण रेखा नदी पर एलीवेटेड कॉरिडोर, इंदौर में एलीवेटेड कॉरिडोर, उज्जैन में फोर लेन एलीवेटेड कॉरिडोर तथा महाकाल रोप-वे जैसे महत्वपूर्ण कार्य प्रगति पर हैं। उन्होंने बताया सड़क अधोसंरचना के तीव्र एवं गुणवत्तापूर्ण विकास के लिए राज्य में हाइब्रिड एन्यूटी मॉडल अपनाया गया है। विगत दो वर्षों में इस मॉडल के अंतर्गत 12,676 करोड़ की अनुमानित लागत वाली सड़क परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई है तथा प्रदेश के समग्र विकास के लिए रोड नेटवर्क मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है। श्री सिंह ने कहा -क्षतिग्रस्त पुलों का पुनर्निर्माण योजना- के अंतर्गत 1,766 पुल एवं पुलियों के निर्माण हेतु 4,572 करोड़ की योजना स्वीकृत की गई है, जिसके लिए वर्ष 2026-27 में 900 करोड़ का प्रावधान प्रस्तावित है। वर्ष 2026-27 में सड़कों एवं पुलों के निर्माण तथा संधारण के लिए 12,690 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

जबलपुर में 382 करोड़ के 34 निर्माण कार्यों को बजट में स्वीकृति

मंत्री श्री सिंह कहा इस बजट में लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत जबलपुर जिले के लिए कुल 34 निर्माण कार्यों को सम्मिलित किया गया है, जिनकी कुल स्वीकृत लागत 382 करोड़ है। यह प्रावधान जिले की सड़क एवं परिवहन अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है।

इन कार्यों में सबसे प्रमुख निर्माण कार्य महागवा - चरगवा - शहपुरा - पाटन - पौड़ी - कटंगी - मझौली मार्ग का है, जिसकी कुल लंबाई 102 किलोमीटर है तथा इसकी लागत 200 करोड़ है। यह मार्ग क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करते हुए ग्रामीण और अर्द्धशहरी क्षेत्रों को मुख्य परिवहन नेटवर्क से जोड़ेगा, जिससे व्यापार, कृषि परिवहन और आवागमन को नई गति मिलेगी।

उन्होंने कहा इसी प्रकार सिहोरा-मझौली-कटाप-गुबरा-तीरहा मार्ग के निर्माण को भी सम्मिलित किया गया है। 34 किलोमीटर लंबाई वाले इस मार्ग पर 75 करोड़ की लागत से कार्य किया जाएगा। यह सड़क क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी तथा नागरिकों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराएगी।

उन्होंने कहा शहरी क्षेत्र में भी अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण को प्राथमिकता दी गई है। मेहता पंप से अग्रसेन चौक होते हुए उखरी चौक तक तथा एकता चौक से अहिंसा चौक तक सीसी रोड निर्माण कार्य को भी सामिलित किया गया है, जिसकी कुल लागत 17 करोड़ है।

श्री सिंह ने बताया जबलपुर जिले के अन्य कार्य जिन्हें बजट में सम्मिलित किया गया है उनमें -

- ग्राम छपरी भर्रा से सिमरिया तक 1.50 किमी लंबाई का सड़क निर्माण कार्य 1.50 करोड़ की लागत से किया जाएगा।
- ग्राम मड़ोद से मुडिया मार्ग तक 1.10 किमी लंबाई की सड़क का निर्माण 1.50 करोड़ की लागत से किया जाएगा।
- मुडिया से सीगनतलाई तक 2.00 किमी लंबी सड़क का निर्माण कार्य 2.00 करोड़ की लागत से किया जाएगा।
- ग्राम पंचायत धरमपुरा से नुनपुर होते हुए घुघरा (राम पथ गमन) मार्ग का 3.00 किमी लंबाई में निर्माण 4.20 करोड़ की लागत से किया जाएगा।
- भमका से सिद्धघाट कुलोन मार्ग का 6.50 किमी लंबाई में निर्माण कार्य 6.50 करोड़ की लागत से किया जाएगा।
- झण्डा चौक से परियट तक 1.00 किमी लंबा ग्रीन मार्ग 2.50 करोड़ की लागत से किया जाएगा।
- दर्शन सिंह तिराहा से मस्ताना चौक तक 1.00 किमी लंबी सड़क का निर्माण 1.00 करोड़ की लागत से किया जाएगा।
- जबलपुर शहर के पंचशील नगर, गीता विहार एवं आजाद चौक क्षेत्र की सड़कों का 7.20 किमी लंबाई में सुदृढ़ीकरण 7.25 करोड़ की लागत से किया जाएगा।
- जबलपुर शहर के ग्वारीघाट, ब्रजमोहन नगर एवं पुराने स्टेशन क्षेत्र की सड़कों का 6.30 किमी लंबाई में सुदृढ़ीकरण कार्य 6.35 करोड़ की लागत से किया जाएगा।
- छत्तरपुर से चरखी पहुँच मार्ग का 1.50 किमी लंबाई में निर्माण 2.00 करोड़ की लागत से किया जाएगा।
- वीरनेर से आमाखोह तक 2.00 किमी लंबी सड़क का निर्माण कार्य 2.00 करोड़ की लागत से किया जाएगा।
- छत्तरपुर रिंग रोड चौराहा से शाला भवन होते हुए निभोरा को जोड़ने हेतु 2.00 किमी लंबी सड़क का निर्माण 2.00 करोड़ की लागत से किया जाएगा।
- पनागर-मुडिया-पड़ौरा-सलैया मार्ग का 9.20 किमी लंबाई में निर्माण कार्य 7.00 करोड़ की लागत से किया जाएगा।
- धनपुरी-पड़वार-इमलई मार्ग का 5.00 किमी लंबाई में निर्माण 4.00 करोड़ की लागत से किया जाएगा।
- रमखिरिया से चिकली देवरी पहुँच मार्ग का 5.00 किमी लंबाई में निर्माण कार्य 4.75 करोड़ की लागत से किया जाएगा।
- चौराई-कऊझर-मोहनी-मड़ई-मकरार-उमरिया मार्ग का 8.00 किमी लंबाई में निर्माण 5.40 करोड़ की लागत से किया जाएगा।
- श्री सिंह कहा इन कार्यों के पूर्ण होने से शहर में यातायात व्यवस्था सुदृढ़ होगी, सड़क की गुणवत्ता बेहतर होगी तथा आम नागरिकों को दीर्घकालिक सुविधा प्राप्त होगी। उन्होंने बताया इसके अतिरिक्त, जबलपुर जिले के कई महत्वपूर्ण मार्गों को हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (HAM) पर निर्मित करने हेतु बजट में सम्मिलित किया गया है। यह मॉडल निर्माण की गुणवत्ता, समयबद्धता और दीर्घकालिक रखरखाव सुनिश्चित करने की दृष्टि से अत्यंत प्रभावी माना जाता है।

श्री सिंह ने बताया हाइब्रिड एन्युटी मॉडल के अंतर्गत जिन प्रमुख मार्गों को शामिल किया गया है, उनमें -

- झिरिया-बधराजी-महगवां-खमतरा-विलायतकलां मार्ग (लंबाई 112 किमी),
- रिछाई-तिलसानी-बधराजी-प्रतापपुर-सिहोरा-भीमखेड़ा मार्ग (लंबाई 114 किमी),
- पनागर-सिंगलद्वीप-मझौली-अभाना-वचौया-बहोरीबंद-सलीमनाबाद मार्ग (लंबाई 79 किमी), तथा
- बरगी नगर-भेड़ाघाट-उड़ना-सकरा मार्ग (लंबाई 74 किमी) शामिल हैं।

उन्होंने कहा इन मार्गों के निर्माण से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की कनेक्टिविटी मजबूत होगी, पर्यटन स्थलों तक पहुंच सुगम होगी तथा कृषि एवं औद्योगिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। श्री सिंह ने बताया हाइब्रिड एन्युटी मॉडल के माध्यम से निजी भागीदारी के साथ गुणवत्तापूर्ण निर्माण और निर्धारित अवधि तक रखरखाव सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे प्रदेश को टिकाऊ और आधुनिक सड़क नेटवर्क प्राप्त होगा। उन्होंने कहा जिले में इन 34 निर्माण कार्यों के माध्यम से न केवल सड़क नेटवर्क का विस्तार होगा, बल्कि निर्माण गतिविधियों से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। यह बजटीय प्रावधान क्षेत्र के समग्र विकास, निवेश प्रोत्साहन और बेहतर जीवन गुणवत्ता की दिशा में एक मजबूत कदम है। श्री सिंह ने कहा यह बजट प्रदेश में सुगम, सुरक्षित एवं आधुनिक परिवहन व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए औद्योगिक विकास, निवेश, रोजगार सृजन और क्षेत्रीय संतुलित विकास को नई गति देगा।

कांग्रेस के प्रदर्शन से भाजपा में बौखलाहट

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

केंद्र सरकार द्वारा जन विरोधी निर्णयों के विरोध में कांग्रेस द्वारा लोकतांत्रिक तरीके से किए जा रहे है प्रदर्शन से भाजपा नेतृत्व में बौखलाहट स्पष्ट नजर आ रही है। भाजपा ने अलोकतांत्रिक तरीके से विपक्षी दल कांग्रेस के कार्यालय इंदौर, भोपाल, जबलपुर में पहुंचकर तोड़फोड़ के साथ कांग्रेस नेताओं के खिलाफ अपशब्दों का प्रयोग अशोभनीय ही नहीं निंदनीय भी है जिसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है। भाजपा से जुड़े नेता और कार्यकताओं द्वारा कांग्रेस कार्यकताओं पर पत्थरबाजी तोड़फोड आपत्तिजनक नारों के साथ कांग्रेस कार्यकताओं के साथ मारपीट करना दुर्भाग्य पूर्ण है। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश के उपाध्यक्ष ओबीसी विभाग टीकाराम कोष्टा ने प्रशासन से मांग की है कि प्रशासन निष्पक्ष होकर बिना दबाव के कांग्रेस कार्यालय में हमलावरों के खिलाफ शीघ्र कठोर कार्रवाई करे।

शिविर में छात्राओं को किया गया जागरूक

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

शासकीय कन्या महाविद्यालय राँझी द्वारा ग्राम पंचायत घाना में सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के छठवे दिन में रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय से आये श्रीश दुबे ने बौद्धिक चर्चा में स्वयं सेविकाओं को शारीरिक फिटनेस के विषय में जागरूक किया। रांझी महाविद्यालय के डॉ दिपेन्द्र यादव ने शरीर की क्रियाशीलता बीमारी से बचाव और रोग प्रतिरोधक क्षमता के बारे बताया। ग्राम पंचायत घाना के चौराहों में छात्राओं के द्वारा नशा मुक्ति अभियान के विषय में नाटक प्रस्तुत किया और ग्राम पंचायत घाना में वृक्षारोपण किया। कार्यक्रम प्रभारी डॉ माधुरी सिंह का विशेष योगदान रहा।

रमजान के लिए सेहरी वैन की शुरूआत

मुसाफिरों और मरीजों को मिलेगा सहारा

त्रिपुरी टाईम्स • जबलपुर
www.tripuritimes.com

पवित्र माह रमजान के दौरान जरूरतमंद रोजेदारों की मदद के लिए शहर में मदनी भाइयों द्वारा सेहरी वैन सेवा की शुरूआत की गई है। यह वैन खास तौर पर शहर में आने-जाने वाले मुसाफिरों और अस्पतालों में भर्ती मरीजों तक सेहरी पहुंचाने का कार्य करेगी, ताकि कोई भी बिना सेहरी के रोजा रखने के लिए मजबूर न हो। आयोजकों के अनुसार यह सेहरी वैन पूरे रमजान महीने शहर के विभिन्न इलाकों में सक्रिय रहेगी और फोन कॉल मिलने पर समय पर सेहरी उपलब्ध कराएगी। इस पहल का उद्देश्य इंसानी खिदमत और सामाजिक सहयोग की भावना को मजबूत करना है। इस सेवा को शुरू करने में हाजी मोहम्मद जावेद अत्तारी, हाफिज इमरान अत्तारी और कांग्रेस नेता आजम खान सहित कई समाजसेवियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

रॉबर्ट बैडेन-पावेल की प्रेरणा से सेवा और नेतृत्व का संदेश: स्काउट संस्थापक दिवस

स्काउट संस्थापक दिवस या संस्थापक दिवस (फाउंडर्स डे) के रूप में मनाया जाता है। वास्तव में यह दिवस स्काउट आंदोलन के संस्थापक लॉर्ड रॉबर्ट बैडेन-पावेल की जयंती के रूप में मनाया जाता है तथा स्काउट्स और गाइड्स के लिए विशेष महत्व रखता है। यह दिन उनकी पत्नी तथा विश्व प्रमुख गाइड ओलेव बैडेन-पॉवेल का भी जन्मदिन होता है। पाठकों को बताता चलूं कि भारत में इसे अक्सर विश्व चिंतन दिवस (वर्ल्ड थिंकिंग डे) के साथ जोड़कर भी देखा जाता है। पाठकों को बताता चलूं कि स्काउट्स प्यार से संस्थापक को बी.पी. भी कहते हैं इस दिन स्काउट और गाइड अपने नियम और प्रतिज्ञा(स्काउट प्रॉमिस)को दोहराते हैं तथा करोड़ों स्काउट यूनिफॉर्म पहनकर समाज सेवा के कार्य करते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो इस दिन स्काउट और गाइड्स द्वारा सामुदायिक सेवा, रक्तदान, धन जुटाने, ध्वजारोहण और रैलियां आयोजित की जाती हैं। इस दिवस का महत्व यह है कि यह दिवस स्काउटिंग के उन मूल्यों (अनुशासन, देशभक्ति, सेवा) को पुनर्जीवित करता है, जो युवाओं को भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करते हैं। यदि हम यहां पर स्काउटिंग,जिसे शांति और भाईचारे का उत्सव भी कहा जाता है, के इतिहास पर नजर डालें तो उपलब्ध जानकारी के अनुसार स्काउटिंग की शुरूआत एक प्रयोगात्मक कैंप से हुई थी। दरअसल, लॉर्ड बेडन पॉवेल ने इंग्लैंड के ब्राउंसी द्वीप पर वर्ष 1907 में पहला कैंप लगाया था। गौरतलब है कि स्काउटिंग की शुरूआत किसी खेल या शौक के रूप में नहीं हुई थी। बैडेन-पॉवेल ने अपने सैन्य अनुभवों से प्रेरणा लेकर युवाओं में चरित्र निर्माण और आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए यह आंदोलन शुरू किया था। पाठकों को बताता चलूं कि स्काउट सैल्यूट के पीछे भी एक अर्थ है। दरअसल,तीन उंगलियों वाला स्काउट सलाम तीन मूल सिद्धांतों क्रमशः ईश्वर और देश के प्रति कर्तव्य, दूसरों की मदद तथा स्काउट नियमों के पालन का प्रतीक है। उल्लेखनीय है कि दुनिया भर के स्काउट्स एक-दूसरे से बाएं हाथ (लेफ्ट हैंड) से हाथ मिलाते हैं। इसके पीछे का तर्क यह है कि बायां हाथ दिल के करीब होता है और यह गहरी मित्रता और विश्वास का प्रतीक है। इसके अलावा, युद्ध के समय योद्धा अपना बचाव करने वाली ढाल (शील्ड) बाएं हाथ में रखते थे; बाएं हाथ से हाथ मिलाने का मतलब था ढाल को नीचे रखना, जो सामने वाले पर पूर्ण विश्वास को दर्शाता है। पाठकों को यह जानकर आश्चर्य होगा कि चंद्रमा पर कदम रखने वाले पहले व्यक्ति नील आर्मस्ट्रांग एक ईगल स्काउट थे। वे अपने साथ चंद्रमा पर स्काउटिंग का बैज भी ले गए थे। रिकॉर्ड के अनुसार, चंद्रमा पर जाने वाले 12 अंतरिक्ष यात्रियों में से 11 किसी न किसी रूप में स्काउटिंग से जुड़े रहे थे। बहुत कम लोग ही यह बात जानते होंगे कि स्काउट जो गले में स्कार्फ पहनते हैं, वह सिर्फ वर्दी का हिस्सा नहीं है, बल्कि इसके पीछे कुछ वैज्ञानिक तथ्य भी हैं। दरअसल, इसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि आपातकालीन स्थिति में इसका उपयोग पट्टियों (बैंडजेज) के रूप में, खून रोकने के लिए, या झुलसे हुए हाथ को सहारा देने के लिए किया जा सके। स्काउट के पास स्कार्फ को बांधने वाला एक छल्ला होता है,जिसे वोगल कहा जाता है। गांठ बांधना (नोटिंग) स्काउटिंग का मुख्य हिस्सा है। इतना ही नहीं, स्काउट बेल्ट अक्सर चमड़े या मजबूत कपड़े की होती है, जिसमें हुक लगे होते हैं ताकि जरूरत पड़ने पर भारी सामान या औजार लटकाए जा सकें। वहीं, बैज स्काउट की दक्षता, उसकी रैंक और उसके द्वारा सीखे गए कौशलों (जैसे प्राथमिक चिकित्सा, तैराकी, खाना बनाना) को दर्शाते हैं।जब स्काउट कैंपिंग या ट्रेकिंग पर होते हैं, तो उनके पास एक सर्वाइवल किट मौजूद होती है, जिसमें क्रमशः रस्सी (टेंट लगाने, पुल बनाने या किसी को बचाने में प्रयोग),चाकू या पेननाइफ;सीटी(संकट के समय संकेत देने के लिए) तथा कंपास और नक्शा भी मौजूद होता है। इसके अलावा,आपातकालीन सामग्री में क्रमशः फर्स्ट एड बॉक्स,माचिस या फ्लिंट तथा टॉर्च,व्यक्तिगत डायरी और पेन भी प्रत्येक स्काउट के पास होते हैं।स्काउटिंग इतनी प्रसिद्ध रही है कि फिल्मों तक में इसका प्रभाव देखने को मिलता है। पाठकों को बताता चलूं कि प्रसिद्ध फिल्म निमार्ता स्टीवन स्पीलबर्ग ने अपनी फिल्म इंडियाना जोन्स के मुख्य किरदार को एक स्काउट के रूप में दिखाया था क्योंकि वे स्वयं एक स्काउट थे और फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें अपने पुराने अनुभवों से काफी मदद मिली थी। बहरहाल, यहां यह भी गौरतलब है कि आज स्काउटिंग दुनिया के लगभग हर देश में मौजूद है और करोड़ों युवा इससे जुड़े हैं। वैश्विक स्तर पर इसे वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन ऑफ द स्काउट मूवमेंट संचालित करता है।स्काउट का प्रसिद्ध आदर्श वाक्य बी प्रिपेयर्ड यानी कि सदैव तैयार रहो (उपस्थिति और विवेक) प्रत्येक स्काउट कोजीवन के हर क्षेत्र में मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार रहने की प्रेरणा देता है। कहना गलत नहीं होगा कि आज स्काउटिंग सबसे बड़ा स्वैच्छिक युवा संगठन है।

कर्नाटक में देसी बीज बचाने वाली महिलाएं

वनस्री व गांवों में घरेलू कृषि बागवानी का महत्व पता चला। परंपरागत बीजों का महत्व पता चला, जो सदियों से विकसित हुए हैं। ये बीज, स्थानीय मिट्टी पानी और जलवायु के अनुकूल होते हैं। इनमें कीट, सूखा और प्रतिकूल मौसम सहने की क्षमता होती है। जैवविविधता और पर्यावरण संरक्षण में महिलाओं की भूमिका रेखांकित की, जो सदियों से है। बीज संरक्षण और पारंपरिक ज्ञान के आदान प्रदान में महिलाएं सदैव आगे रही हैं। कर्नाटक राज्य में उत्तर कन्नड़ जिले की सिरसी तालुका में महिला किसानों का समूह है, जो जंगल में घरेलू कृषि बागवानी को बढ़ावा देता है। परंपरागत देसी बीजों, जैव विविधता और पर्यावरण का संवर्धन और संरक्षण करता है। वनस्री नामक संस्था के काम से ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी इलाकों के लोगों की दिलचस्पी बढ़ी है। आज इस अनूठे महिला समूह के बारे में बात करना चाहूंगा, जिससे देसी बीजों को बचाने की इस पहल को जाना जा सके। जलवायु बदलाव के दौर में इसके महत्व को समझा जा सके। मैं कर्नाटक में वनस्री के काम को देखने के लिए कुछ साल पहले गया था। कई गांव घूमा था। और महिला समूह के सदस्यों से मिला था। इसके बाद भी वनस्री के कार्यकर्ताओं से एक दो बार अलग-अलग कार्यक्रमों में मुलाकात हुई है। यहां महिलाओं ने लगातार देसी बीज बचाने, विशेषकर सब्जियों के बीज संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वन बागवानी के लिए प्रोत्साहित किया है, जिससे देसी बीजों के साथ पारंपरिक ज्ञान भी बचाया जा सके। जलवायु बदलाव के दौर में प्रतिकूल परिस्थितियों, जैव विविधता व पर्यावरण को बचाया जा सके। इससे न केवल गांव, कस्बों, शहरों की महिलाओं को जोड़ा है, बल्कि दूरदराज के आदिवासियों महिलाओं को भी जोड़ा है और उन्हें प्रशिक्षित किया है। वनस्री की शुरूआत 2001 में हुई। सुनीता राव ने इसकी पहल की थी, जो अपनी पढ़ाई के दौरान ही जापान के मशहूर कृषि वैज्ञानिक मोसानोबू फुकूओका से मिली थीं और प्रभावित हुई थीं। तब वह पांडिचेरी में पढ़ रही थीं, उस दौरान फुकूओका वहां आए थे। उनसे प्रभावित होकर वैसा ही काम करना चाहती थीं। एक जमाने में फुकूओका की किताब एक तिनके से आई क्रांति काफी चर्चित रही थी। फुकूओका ने खुद जापान में उनके खेत में प्राकृ तिक खेती के प्रयोग किए थे, जो बाद में दुनिया भर में चर्चित हुए। संस्था की कार्यकर्ता सुनीता राव ने बताया था कि वनस्री को काम करते हुए कई साल हो गए हैं। इससे जुड़कर बड़ी संख्या में महिला किसान जंगल घरेलू कृषि बागवानी का अनूठा काम कर रही हैं। इससे खाद्य, चारा, ईंधन, रेशा, औषधियां मिलती हैं। यह बेहतर स्वास्थ्य के साथ टिकाऊ जीवनशैली का आधार है। प्रकृति से जुड़ने का एक माध्यम भी है। सुनीता राव बताती हैं कि इसकी शुरूआत अनौपचारिक रूप से हुई। जब भी हम किसी के घर जाते थे तब वे सबसे पहले उनका सब्जी का बगीचा दिखाते थे, बाद में घर के अंदर ले जाते थे। उनके लिए सब्जी का बगीचा बहुत महत्वपूर्ण होता था। यह बगीचा घर के बाहर छोटे हिस्से में होता है। एक एकड़ से कम या ज्यादा भूमि के टुकड़े में हो सकता है। जिसमें मिश्रित फसलें होती हैं। विविध तरह की सब्जियां, फल- फूल, जंगली कंद-मूल व औषधिपूर्ण पौधे होते हैं।

भारत का भाग्य,भविष्य और भय के बीच खड़ा कृत्रिम बुद्धिमत्ता युग

प्रधानमंत्री मोदी ने उद्घाटन भाषण में जिस आत्म विश्वास से कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता भारत का भाग्य और भविष्य है,वह कथन किसी राजनीतिक भाषण से अधिक एक रणनीतिक उद्घोष था।यह उस भारत की आवाज थी,जो औपनिवेशिक युग में औद्योगिक क्रांति से वंचित रहा, जिसने सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति में सेवा क्षेत्र तक स्वयं को सीमित रखा,और अब तीसरी बड़ी तकनीकी क्रांति–कृत्रिम बुद्धिमत्ता - में नेतृत्व की आकांक्षा रखता है। मोदी सरकार के लिए एआई केवल तकनीकी उपकरण नहीं,बल्कि विकसित भारत 2047 के स्वप्न का मुख्य इंजन है।जिस प्रकार बीसवीं सदी में रेल,बिजली और सड़क राष्ट्र-निर्माण की आधारशिला बने, उसी प्रकार इक्कीसवीं सदी में डेटा, एल्गोरिद्म और सुपरकंप्यूटिंग को राष्ट्रीय बुनियादी ढाँचे के रूप में देखा जा रहा है।प्रधानमंत्री ने एआई को ह्वडिजिटल स्वराजह्व का मार्ग बताया - एक ऐसा स्वराज जिसमें भारत तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि निमार्ता और नियंता होगा। अश्विनी वैष्णव का दृष्टिकोण इस स्वप्न को संस्थागत ढाँचा देने का प्रयास है।उन्होंने एआई को राष्ट्रीय इंफ्रास्ट्रक्चर की संज्ञा देते हुए कहा कि भारत को अपने स्वयं के फाउंडेशन मॉडल,राष्ट्रीय डेटा ग्रिड और सुपरकंप्यूटिंग क्षमता विकसित करनी होगी।

नई दिल्ली के भारत मंडपम में 16 से 20 फरवरी 2026 तक आयोजित एआई इम्पैक्ट सम्मेलन भारत के आधुनिक इतिहास में एक निर्णायक क्षण के रूप में दर्ज किया जाएगा।यह केवल एक अन्तरराष्ट्रीय तकनीकी सम्मेलन नहीं था,बल्कि एक सभ्यतागत घोषणा थी - कि भारत अब अपनी नियति कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति से गढ़ना चाहता है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में यह आयोजन भारत की उस महत्त्वाकांक्षा का प्रतीक बना, जिसमें तकनीक विकास का साधन नहीं,बल्कि राष्ट्र-निर्माण का दर्शन बन रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने उद्घाटन भाषण में जिस आत्म विश्वास से कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता भारत का भाग्य और भविष्य है,वह कथन किसी राजनीतिक भाषण से अधिक एक रणनीतिक उद्घोष था।यह उस भारत की आवाज थी,जो औपनिवेशिक युग में औद्योगिक क्रांति से वंचित रहा, जिसने सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति में सेवा क्षेत्र तक स्वयं को सीमित रखा,और अब तीसरी बड़ी तकनीकी क्रांति–कृत्रिम बुद्धिमत्ता - में नेतृत्व की आकांक्षा रखता है। मोदी सरकार के लिए एआई केवल तकनीकी उपकरण नहीं,बल्कि विकसित भारत 2047 के स्वप्न का मुख्य इंजन है।जिस प्रकार बीसवीं सदी में रेल,बिजली और सड़क राष्ट्र-निर्माण की आधारशिला बने, उसी प्रकार इक्कीसवीं सदी में डेटा, एल्गोरिद्म और सुपरकंप्यूटिंग को राष्ट्रीय बुनियादी ढाँचे के रूप में देखा जा रहा है।प्रधानमंत्री ने एआई को ह्वडिजिटल स्वराजह्व का मार्ग बताया - एक ऐसा स्वराज जिसमें भारत तकनीक का उपभोक्ता नहीं, बल्कि निमार्ता और नियंता होगा। अश्विनी वैष्णव का दृष्टिकोण इस स्वप्न को संस्थागत ढाँचा देने का प्रयास है।उन्होंने एआई को राष्ट्रीय इंफ्रास्ट्रक्चर की संज्ञा देते हुए कहा कि भारत को अपने स्वयं के फाउंडेशन मॉडल,राष्ट्रीय डेटा ग्रिड और सुपरकंप्यूटिंग क्षमता विकसित करनी होगी।उनका मानना था कि एआई भारत के लिए वही भूमिका निभाएगा, जो बीसवीं सदी में रेलवे और बिजली ने निभाई–देश को जोड़ने और गति देने की भूमिका। एआई इम्पैक्ट सम्मेलन में कई रणनीतिक घोषणाएँ की गईं, जो भारत के तकनीकी भविष्य की दिशा निर्धारित करती हैं।सरकार ने राष्ट्रीय एआई कंप्यूट ग्रिड, स्वदेशी भाषा मॉडल,सरकारी सेवाओं में एआई के व्यापक उपयोग,स्वास्थ्य और शिक्षा में डिजिटल प्लेटफॉर्म, स्मार्ट शहरों और रक्षा प्रणालियों में एआई आधारित समाधान विकसित करने की प्रतिबद्धता दोहराई। भारत को एआई अनुसंधान, स्टार्टअप और उद्योग का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए नीति,वित्त और अवसंरचना के समन्वित प्रयासों की घोषणा की गई।इस सम्मेलन की एक प्रमुख उपलब्धि विदेशी निवेश को आकर्षित करने की दिशा में थी। वैश्विक टेक कंपनियों, निवेश फंडों और बहुराष्ट्रीय निगमों ने भारत के एआई पारिस्थितिकी तंत्र में निवेश की रुचि दिखाई।डेटा सेंटर,क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, सेमीकंडक्टर, चिप डिजाइन और एआई स्टार्टअप में अरबों डॉलर के निवेश प्रस्तावों की चर्चा हुई।भारत को एआई निर्माण और अनुसंधान का वैश्विक हब बनाने के लिए कई अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों की घोषणा की गई। यह संकेत है कि वैश्विक पूंजी भारत को अगली तकनीकी क्रांति का महत्वपूर्ण केंद्र मान रही है विदेशी निवेश के साथ रोजगार की संभावनाएँ भी इस सम्मेलन का केंद्रीय विषय रहीं।सरकार और उद्योग जगत का दावा है कि एआई भारत में लाखों नई नौकरियाँ पैदा करेगा - डेटा वैज्ञानिक, एआई इंजीनियर, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, चिप डिजाइनर, डिजिटल सेवा प्रदाता और तकनीकी प्रशिक्षक जैसे क्षेत्रों में। साथ ही, एआई आधारित स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और प्रशासनिक सेवाओं में नए प्रकार के रोजगार उत्पन्न होंगे। यह आशा व्यक्त की गई कि भारत की विशाल युवा जनसंख्या को एआई युग के लिए कौशल प्रदान कर वैश्विक कार्यबल का नेतृत्व करने के लिए तैयार किया जाएगा। परंतु इतिहास हमें सिखाता है कि हर तकनीकी क्रांति अवसरों के साथ विस्थापन भी लाती है। औद्योगिक क्रांति ने पारंपरिक कारीगरों को विस्थापित किया, सूचना क्रांति ने डिजिटल डिवाइड को जन्म दिया, और एआई क्रांति मानव श्रम के अस्तित्व पर प्रश्न खड़ा कर रही है।मशीनें न केवल शारीरिक श्रम, बल्कि बौद्धिक श्रम भी करने लगी हैं।पत्रकारिता, बैंकिंग, कानून,शिक्षा,चिकित्सा और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में एआई का प्रवेश तेजी से हो रहा है।आम आदमी के मन में यह भय स्वाभाविक है कि कहीं यह तकनीक उसकी आजीविका न छीन ले।सरकार कौशल विकास और पुनः प्रशिक्षण की बात करती है, परंतु भारत जैसे विशाल और विविध समाज में यह कार्य कितना प्रभावी होगा, यह एक खुला प्रश्न है। ग्रामीण,असंगठित और कम शिक्षित श्रमिक वर्ग के लिए एआई युग में समायोजन आसान नहीं होगा।यदि एआई नीति सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा सुधार और रोजगार पुनर्गठन के साथ नहीं जुड़ी,तो यह तकनीकी प्रगति सामाजिक असंतोष का कारण बन सकती है। एक अन्य गहरा प्रश्न मानव निर्णयों पर मशीन के प्रभाव का है। यदि शासन,न्याय और सुरक्षा में एआई का उपयोग बढ़ता है,तो मानवीय विवेक,नैतिकता और संवेदना का स्थान एल्गोरिद्म ले सकता है। एल्गोरिद्म निष्पक्ष होने का दावा करता है, परंतु वह भी मानव निर्मित होता है और उसमें मानव पूर्वाग्रह समाहित हो सकते हैं। लोकतंत्र में अंतिम निर्णय मानव प्रतिनिधियों और संस्थाओं के हाथ में होना चाहिए,परंतु एआई की बढ़ती भूमिका लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व को जटिल बना सकती है।डेटा और गोपनीयता का प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है।एआई डेटा पर आधारित है,डेटा आधुनिक युग का नया तेल बन चुका है।नागरिकों की निजी जानकारी,व्यवहार,

आखिरकार, एकता लाने की कोशिश कर रहा है ट्रांस अटलांटिक अलायंस

ब्रिटेन ने ईयू से खुद को बांधने के बजाय बाकी दुनिया के साथ जुड़ने का विचार रखा था। दूसरे यूरोपियन भी अब अमेरिका के सहयोग के दायरे से बाहर, आपस में ज्यादा सहयोग की बात कर रहे हैं। वर्ल्ड इकानॉमिक फोरम का दावोस में दुनिया के नेताओं, राजनीतिक और कॉर्पोरेट, दोनों की मुलाकात, एक जाना-माना इवेंट बन गया। हालांकि, पिछले हफ्ते एक और भी जरूरी और निश्चित रूप से बहुत प्रतिष्ठित मीटिंग हुई। यह म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस (एमएससी) है जो 13 से 15 फरवरी को इसी नाम के जर्मन शहर में हुई। सालाना म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस (एमएससी),जो दुनिया भर में सबसे प्रभावशाली और हाई डेसिबल सिक्योरिटी सर्किट प्लेटफॉर्म के रूप में उभरा है, ने सहयोगी अमेरिका और यूरोप के बीच एक तरह का मेल-मिलाप देखा है। अगर पिछले साल का एमएससी एक तरह का तबाहकुन और बुरी तरह से हुआ इवेंट था,

नए हालात में, ब्रिटेन के सर कीर स्टारमर ने लगभग दस साल पहले इंटीग्रेटेड यूरोपियन कॉमन मार्केट से बाहर निकलने के बाद यूके और यूरोपियन यूनियन के बीच ज्यादा जोरदार वापसी की बात कही है। ब्रिटेन ने ईयू से खुद को बांधने के बजाय बाकी दुनिया के साथ जुड़ने का विचार रखा था। दूसरे यूरोपियन भी अब अमेरिका के सहयोग के दायरे से बाहर, आपस में ज्यादा सहयोग की बात कर रहे हैं। वर्ल्ड इकानॉमिक फोरम का दावोस में दुनिया के नेताओं, राजनीतिक और कॉर्पोरेट, दोनों की मुलाकात, एक जाना-माना इवेंट बन गया। हालांकि, पिछले हफ्ते एक और भी जरूरी और निश्चित रूप से बहुत प्रतिष्ठित मीटिंग हुई। यह म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस (एमएससी) है जो 13 से 15 फरवरी को इसी नाम के जर्मन शहर में हुई। सालाना म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस (एमएससी),जो दुनिया भर में सबसे प्रभावशाली और हाई डेसिबल सिक्योरिटी सर्किट प्लेटफॉर्म के रूप में उभरा है, ने सहयोगी अमेरिका और यूरोप के बीच एक तरह का मेल-मिलाप देखा है। अगर पिछले साल का एमएससी एक तरह का तबाहकुन और बुरी तरह से हुआ इवेंट था, तो इस साल के एमएससी को ज्यादा दोस्ताना मौके के रूप में दिखाने की कोशिश की गई। पिछले साल की कॉन्फ्रेंस में, अमेरिका के उप-राष्ट्रपति जे.डी. वैंस ने यूरोपीय श्रोताओं को अपनी रक्षा जरूरतों का ध्यान रखने में पूरी तरह विफल होने की कुछ स्पष्ट याद दिलाकर ह्यहैरानह्व कर दिया था। वैंस ने यूरोप को यह भी याद दिलाया था कि वह अपनी सोच और नीति से ह्यसभ्यतागत भ्रमह्व के करीब है। वैंस के उस भाषण के बाद, एक साल तक यूरोपीय और अमेरिकी, जो द्वितीय विश्व युद्ध के खत्म होने के बाद से सबसे करीबी साथी थे, अलग-अलग हो गए थे। अमेरिका ने धमकी दी थी कि अमेरिकन अब यूरोप की रक्षा का खर्च नहीं उठाएंगे। इस साल की कॉन्फ्रेंस में, अमेरिका के सेक्रेटरी ऑफ स्टेट, मार्को रुबियो ने ज्यादा सुलह वाली बात कही, और कहा कि अमेरिका और यूरोप एक साथ हैं। उन्होंने यहां तक कह दिया कि अमेरिका यूरोप का बच्चा है। पिछले साल जेडीवैंस की कड़ी फटकार के बाद रुबियो का भाषण यूरोपीय लोगों के लिए सुकून देने वाली थी। शायद वैलेंटाइन डे पर, मार्को रुबियो उस महादेश को अलग-थलग नहीं कर सकते थे जिसे कभी ह्यमदर कंट्रीह्व कहा जाता था। लेकिन रुबियो ने यह भी ध्यान से बताया कि यूरोप को अपने जीवनमूल्य –सभ्यतागत सम्पर्क– को रीसेट करना चाहिए, जिसने दोनों को एक साथ जोड़ा था। रुबियो ने आगे आकर कहा कि अमेरिका यूरोप का बच्चा है। आखिर, यूरोप के बिना अमेरिका क्या है – इसका 250 साल से ज्यादा का इतिहास नहीं है, इसके पूर्व का कोई लेखन नहीं है, न ही इसके पास यूरोपीय वास्तुकला या संगीत है या यहां तक कि युद्धों का इतिहास भी। ये अमेरिकी, ट्रंप, वैंस, रुबियो और उनके जैसे लोग यूरोपीय विरासत को भी अपना मानते हैं, और वे उस विरासत को बचाना चाहते हैं, यह देखते हुए कि यूरोप की मुख्यभूमि में बड़े पैमाने पर मुस्लिम हमले के कारण यह खतरे में था। किसी भी आईवी लीग यूनिवर्सिटी के इतिहास के पाठ्यक्रम पर गौर करें तो आप पाएंगे कि यूरोपीय राजनीतिक इतिहास, यूरोपीय सामाजिक विकास और यहां तक कि यूरोपीय साम्राज्य भी वे अध्ययन हैं जो वे बहुत बारीकी से देते हैं। येल यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डोनाल्ड कगन, जो ग्रीक इतिहास के जाने-माने जानकार हैं, गर्व से कहते हैं कि यूरोप की लोकतांत्रिक परंपरा सीधे ग्रीस से आई है। रोमन वास्तुकला पर व्याख्यान श्रृंखला में इटली और रोम की पुरातात्विक स्थलों का अध्ययन किया जाता है, खासकर हथेली के पिछले हिस्से की तरह– हर बचे हुए पुरातात्विक अवशेष की व्यापक रूप से जांच की जाती है और उन्हें जानकर आप शायद रोम के सबसे अच्छे गाइड बन जाएंगे। रोमन और ग्रीक खंडहरों के वास्तुकला सैंपल को अमेरिका के सुपर-रिच और मशहूर लोगों के नए घरों में बड़े चाव से कॉपी किया गया है। एक खूबसूरत वास्तुकला के रूप में, जिसे पास के वेसुवियस से ज्वालामुखी की राख की एक परत से ढककर पोम्पेई में बेदाग रखा गया था, पॉलगेटी के घर में ईमानदारी से कॉपी किया गया था। अमेरिकी अपने श्वेत प्रजातीय श्रेष्ठता के दर्शन को– यूरोपीय भाषा में इसे यूरोपियन सुप्रीमेसी कहते हैं– यूरोप के देशों में निर्यात करने की कोशिश कर रहे हैं। यही वह चीज है जो ट्रंप जैसे अमेरिकी फैलाना चाहते हैं। कुछ लीडर ऐसे हैं जो पहले से ही अपने आप में थोड़ा नरम रूख के हो चुके हैं– जैसे हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान या स्लोवाकिया के राष्ट्रपति। कुल मिलाकर, मार्को रुबियो यूरोप के उदार देशों के नजरिए में बुनियादी अंतर पर ही टिके रहे, जैसा कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रोन, ब्रिटिश प्रधानमंत्री सर कीर स्टारमर, जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज और दूसरे लोग दिखाते हैं। अमेरिकी जीवनमूल्य, यानी ईसाई धर्म, यूरोप की विरासत का शर्म के बजाय सम्मान, और सबसे बढ़कर, आप्रवासियों पर रोक लगाने जैसे कदमों में बदल गया ताकि अमेरिकियों ने जिसे यूरोप का ह्यसभ्यता का खत्म होनाह्व कहा था, उसे रोका जा सके। ये जीवन मूल्य भले ही सत्ताधारी अमीर लोगों के लिए थोड़ी दूर की हों, लेकिन यूरोप के दक्षिणपंथी विपक्षी नेताओं के लिए बुनियादी आधार थीं। इस तरह अमेरिकियों और यूरोपीय लोगों के बीच अपनी-अपनी पुरानी सोच को लेकर अंतर साफ बना हुआ है, हालांकि मार्को रुबियो के भाषण में इन्हें अमेरिकी उपराष्ट्रपति के कड़े और झटकेदार लहजे की तुलना में नरम और दिलासा देने वाले तरीके से कहा गया था।

जहाँ हुए बलिदान मुखर्जी वह कश्मीर हमारा है और सारा का सारा है

भारतीय संसद का ह्यकश्मीर संकल्प 22 फरवरी 1994ह्व शुभ है, सत्य है, स्तुत्य है, पर सिद्ध नहीं हो पाया है। यह दुखद है। दो निर्विवाद सत्य हैं - पहला - कश्मीर हमारे राष्ट्र का मुकुटमणि है, दूजा - हमारा यह मुकुटमणि वर्तमान में ग्रहण में है। कश्मीर की वर्तमान स्थिति को लेकर हमारा समूचा भारत राष्ट्र चिंतित रहा है। इस राष्ट्रीय चिंता का ही प्रकटीकरण था 22 फरवरी 1994 को पूर्व प्रधानमंत्री की नरसिंहराव सरकार द्वारा संसद में पारित कश्मीर संकल्प। इस संकल्प में भारत का राजनीतिक पक्ष-विपक्ष, समस्त नागरिकों का मानस सम्मिलित था। यह संकल्प राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की चिंता, भावना व विचार से प्रेरित था। संसद में पारित इस प्रस्ताव में यह संकल्प किया गया था कि - पाकिस्तान के कब्जे वाला POJK जम्मू कश्मीर और भारत का अभिन्न अंग था, है और सदैव रहेगा। पाकिस्तान ने 1947-48 के बाद से ही भारत के इस बड़े भूभाग पर कब्जा कर रखा है। इस प्रस्ताव के जरिये यह संकल्प लिया गया था कि पाकिस्तान के अवैध कब्जे में लद्दाख और जम्मू कश्मीर की जो हमारी भूमि है उसे हम हर स्थिति में वापस लेंगे यह संकल्प दिवस POJK, POTL के साथ COTL की मुक्ति का संकल्प दिवस भी है। वस्तुतः जम्मू-कश्मीर और लद्दाख का कुल क्षेत्रफल लगभग 2,22,236 वर्ग किमी है। इसमें से POJK यानि पाकिस्तान अधिक्रांत जम्मू कश्मीर का क्षेत्रफल 13,297 वर्ग किमी है। POJK में जम्मू-कश्मीर क्षेत्र के मीरपुर-मुजफ्फराबाद, भीम्बर, कोटली जैसे नगर सम्मिलित हैं, जो कभी हिन्दू बहुल हुआ करते थे। जबकि POTL अर्थात (पाकिस्तान अधिक्रांत क्षेत्र लद्दाख) में गिलगित और बाल्टिस्तान सम्मिलित हैं। यह क्षेत्र खनिज संपदा से लबालब है। ढडळछ का कुल क्षेत्रफल लगभग 64817 वर्ग किमी है। POJK और POTL मूल रूप से जम्मू कश्मीर का ही एक भाग है, जिसकी सीमाएं पाकिस्तान के पंजाब, उत्तर-पश्चिम, अफगानिस्तान के वखान गलियारे, चीन के शिनजियांग क्षेत्र और लद्दाख के पूर्व क्षेत्र से होकर गुजरती हैं। गिलगित-बाल्टिस्तान (POTL) में 1480 सोने की खदानें हैं, जिनमें से 123 में अयस्क है, जहाँ सोने की मात्रा दक्षिण अफ्रीका की विश्व प्रसिद्ध खदानों से कई गुना अधिक है। चीन अधिक्रांत लद्दाख क्षेत्र अर्थात COTL का संभावित एरिया 37 हजार वर्ग किमी है और इसमें 5,180 किमी शक्सगाम का एरिया पाकिस्तान ने 1963 में एग्रीमेंट के तहत दे दिया था। यानि चीन के कब्जे में कुल क्षेत्रफल 42,735 वर्ग किलोमीटर है। COTL में सिर्फ अक्साई चीन नहीं बल्कि ट्रांस काराकोरम ट्रैक्ट और मिंसर भी शामिल है। यहाँ से मुख्यतः कई नदियाँ निकलती हैं। जैसे गलवान नदी, चिपचैप नदी और कार्स जैसी आदि-आदि नदियाँ निकलती हैं। लेकिन इनमें कार्कस नदी सबसे बड़ी नदी है, जो कि उत्तर की ओर जाती है और इसे ब्लैक जेड रिवर कहते हैं। भारत का यह महत्वपूर्ण भाग आज चीन के नियंत्रण में है। वस्तुतः 1947 में देश के विभाजन के कुछ महीनों बाद ही पाकिस्तानी सेना ने 22 अक्टूबर 1947 को जम्मू-कश्मीर पर आक्रमण कर दिया था। इस आक्रमण में पाकिस्तानी सैनिकों ने हजारों की संख्या में निर्दोष हिंदुओं (प्रमुखतः सिक्ख समुदाय) का जघन्य नरसंहार किया था और प्राचीन मंदिरों, गुरुद्वारों आदि हिंदू स्थलों का विध्वंस किया था। बाद में इन हिंदुओं के अपमान के उद्देश्य से इन कब्जाए गए धार्मिक स्थलों का अपमानजनक प्रयोग भी किया गया था। इन घटनाओं के बाद बड़ी संख्या में हिंदू बंधु अपने कश्मीर से पलायन को विवश हो गये थे। विगत लगभग आठ दशकों से POJK स्थित हमारे ऐतिहासिक मंदिरों, गुरुद्वारों और बौद्ध मठों को पाकिस्तानी आततायियों ने चुन-चुन कर विध्वंस करने का काम किया है। POJK पर पाकिस्तान का 76 वर्षों से अवैध नियंत्रण है। आज समूचे भारत राष्ट्र सहित, POJK के विस्थापितों की यह मांग है कि पाकिस्तान के अवैध कब्जे में जो हमारा कश्मीर है उसे वापस लिया जाए और POJK विस्थापितों को उनका अधिकार लौटाया जाए। पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी नरसिम्हा राव का कार्यकाल जम्मू-कश्मीर के लिए अनेक उतार-चढ़ाव वाला था। एक तरफ कश्मीर घाटी से हिन्दुओं का नरसंहार और निष्कासन लगातार जारी था। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान अधिक्रांत जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में भारत के विरुद्ध आतंकवादियों का प्रशिक्षण भी हो रहा था। उस कालखंड में पाकिस्तान के दो तत्कालीन प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो (वर्ष 1990) एवं नवाज शरीफ (वर्ष 1991-93) ने ढडखड में सतत आना जाना बढ़ा दिया था।

कांग्रेसियों ने पत्थर चलाकर किया लोकतंत्र का अपमान

महिला मोर्चा नेट जबलपुर में किया कांग्रेस का पुतला दहन

देश को दुनिया के सामने किया शर्मसार

कांग्रेस सिर्फ बातों में करती है महिलाओं का सम्मान

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जो कांग्रेसी कल तक भारत मंडपम में आयोजित एआई सम्मेलन मे भारत को शर्मसार कर रहे थे, वह अब गुंडागर्दी पर उतारू हो गए हैं। इंदौर में शांतिपूर्ण ढंग से विरोध प्रदर्शन कर रहे भाजपा कार्यकताओं पर कांग्रेसियों द्वारा पत्थर चलाए जाना इस बात का प्रमाण है। इस घटना ने भारत माता का अपमान करने का काम कांग्रेसियों द्वारा किया गया है। वहीं भारत की छवि को धूमिल करने का कुचक्र एक बार फिर कांग्रेस द्वारा चलाया गया है। यह प्रहार सिर्फ कार्यकताओं पर नहीं बल्कि भारतीय लोकतंत्र पर कांग्रेस द्वारा किया गया है इसके विरोध में आज हम सभी बहनों ने मिलकर जबलपुर में कांग्रेस का पुतला दहन कर अपनी गिरफ्तारी भी दी है। उपरोक्त बातें रविवार को जबलपुर में आयोजित भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा द्वारा पुतला दहन कार्यक्रम के दौरान महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट श्रीमती अश्विनी परांजपे राजवाड़े जी ने व्यक्त किंए। श्रीमती परांजपे ने कहा कि कांग्रेस सिर्फ बातों में महिलाओं का सम्मान करती है जबकि वास्तविकता यह है कि उनके नेताओं कई बार महिला विरोधी सोच उजागर हुई है। एक तरफ जहां प्रधानमंत्री जी के प्रयासों से भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए एआई जैसा विश्व स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया गया जिसे सारी दुनिया सराह रही है वही कांग्रेसियों के पेट में दर्द होकर इस प्रकार का प्रदर्शन करना कांग्रेस को आने वाले समय में बहुत भारी पड़ेगा।। आज के कार्यक्रम के दौरान महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट श्रीमती अश्वनी परांजपे राजवाड़े, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष सुषमा जैन, प्रदेश कार्य समिति सदस्य अर्चना अग्रवाल, एवं आत्मिक सिंह ,जिला अध्यक्ष रूपा राव, सारिका राय, ज्योति सिंह, पायल ठाकुर, रेनू अवस्थी ,रीना राय ,मधुबाला राजपूत ,मोना साहू ,शीतल पटेल, गायत्री गोटिया ,प्रतिभा भास्कर ,कविता राय ,अर्चना सिसोदिया ,अंशुल यादव ,लक्ष्मी चक्रवर्ती सहित अनेक महिला कार्यकर्ता उपस्थित रही।

ट्रांसको में जीरो एक्सीडेंट पॉलिसी बनी कार्य संस्कृति

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

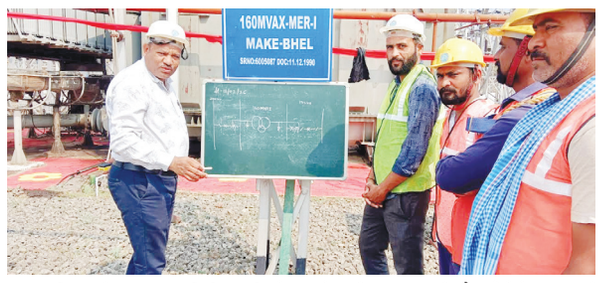

मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने जीरो एक्सीडेंट पॉलिसी को अपनी कार्य संस्कृति का अभिन्न अंग बनाते हुए सभी सबस्टेशनों एवं ट्रांसमिशन लाइनों पर मेंटेनेंस कार्य से पूर्व सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल का अनिवार्य पालन सुनिश्चित किये जाने की पहल की है। मेंटेनेंस कार्य प्रारंभ करने से पहले संबंधित तकनीकी स्टाफ द्वारा सिंगल लाइन डायग्राम तैयार कर संभावित जोखिमों का आकलन किया जाता है तथा टीम को आवश्यक तकनीकी जानकारी प्रदान की जाती है। इसके साथ ही पेप टॉक के माध्यम से सुरक्षा मानकों, लाइव उपकरणों की स्थिति, कार्य क्षेत्र की संवेदनशीलता और आवश्यक सावधानियों पर विस्तार से चर्चा की जाती है, ताकि प्रत्येक कर्मचारी पूर्ण सजगता और आत्मविश्वास के साथ कार्य कर सके।

कार्य के दौरान मोबाइल का उपयोग वर्जित

कार्य के दौरान एकाग्रता बनाए रखने के उद्देश्य से मोबाइल फोन कंट्रोल रूम शिफ्ट इंचार्ज अथवा संबंधित सुपरवाइजर के पास सुरक्षित रूप से जमा कराए जाते हैं। कार्य प्रारंभ से पूर्व संबंधित क्षेत्र को विधिवत अर्थिंग से जोड़ने तथा सुरक्षा मानकों की दोहरी पुष्टि की व्यवस्था भी अनिवार्य रूप से की जा रही है। इसके अतिरिक्त, मेंटेनेंस टीम के लीडर को रोटेशन मे बदलने की अभिनव पहल से कर्मचारियों में नेतृत्व क्षमता, उत्तरदायित्व बोध एवं टीम भावना का विकास हो रहा है। कंपनी का यह प्रयास न केवल दुर्घटनाओं की संभावना को न्यूनतम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि सुरक्षित और जिम्मेदार कार्य संस्कृति को भी सुदृढ़ कर रहा है।

2 को शहीद स्मारक भवन में जुटेंगे सैकड़ों दूल्हे

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

गुंजन कला सदन, मध्य प्रदेश द्वारा आगामी 2 मार्च 2026 को आयोजित होने वाले '33वें रसरंग महोत्सव' की तैयारियों ने अब जोर पकड़ लिया है. इसी कड़ी में आज 'युवा गुंजन' की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें महोत्सव को भव्य और सफल बनाने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई। बैठक में आयोजन की रूपरेखा साझा करते हुए सदस्यों को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गईं। युवाओं की भूमिका और कार्यक्रम की रूपरेखा बैठक की अध्यक्षता करते हुए युवा गुंजन के अध्यक्ष हिमांशु तिवारी ने आगामी कार्यक्रम में युवाओं की सक्रिय भागीदारी और उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि रसरंग महोत्सव न केवल एक सांस्कृतिक आयोजन है, बल्कि यह धर्म, वर्ग और राजनीतिक भेदभाव से ऊपर उठकर समाज को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। उल्लेखनीय है कि ये आयोजन गुंजन कला सदन मध्यप्रदेश के डॉ. आनंद तिवारी (प्रांतीय अध्यक्ष) लायन नरेन्द्र जैन (प्रांतीय महामंत्री) सुरेश सराफ (प्रांतीय कोषाध्यक्ष) व प्रतुल श्रीवास्तव व विजय जायसवाल(प्रधान संयोजक) के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है।

महोत्सव का मुख्य आकर्षण होंगे पाँच सौ दूल्हे :

2 मार्च 2026, सोमवार को होलिका दहन की संध्या पर शहीद स्मारक भवन, जबलपुर में आयोजित होने वाला यह महोत्सव कई मायनों में खास होगा। कार्यक्रम की शुरूआत शाम 6 बजे से होगी, जहाँ आमंत्रित अतिथियों का साफा-माला पहनाकर और 'दूल्हा भेष' में तिलक लगाकर अभिनंदन किया जाएगा। आयोजन में पांच सौ दूल्हे सम्मिलित होंगे।

नगर निगम के अतिक्रमण हटाओ अभियान से नागरिकों को मिल रही है लगातार राहत

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

नगर निगम के अतिक्रमण मुक्त जबलपुर की कल्पना और सुगम यातायात को बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत आज शहर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के निदेर्शानुसार की गई। उक्त कार्रवाई के सम्बन्ध में अपर आयुक्त अरविंद शाह एवं अतिक्रमण प्रभारी मनीष तड़से ने बताया कि आज छोटी लाइन फाटक आदिशंकराचार्य चौराहा के चारों तरफ अस्थाई अतिक्रमणों , सड़क पे बढ़ाए गए अवैध अतिक्रमण, लेफ्ट टर्न के अतिक्रमण, आदि हटाने की कार्यवाही की गई और आदतन अतिक्रमण कताओं के समान की जब्ती भी की गई। इसी प्रकार छोटी लाइन फाटक से लेकर रामपुर चौक तक यातायात में बाधक सभी अस्थाई अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। इसी क्रम में त्रिपुरी चौक चौराहे पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। धनवंतरी चौराहे पर बड़ी कार्यवाही की गई। जिसमें चौराहे पर स्थित जे सी टी एस एल मेट्रो बस स्टॉप को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। और अतिक्रमणकताओं के समानों की जब्ती की गई और अस्थाई तीन शेड को हटाया गया। इसी क्रम में बिजली पोल और बाउंड्री से लगाकर बनाए गए अस्थाई अतिक्रमण को जेसीबी द्वारा तोड़ कर अलग किया गया। श्री तड़से ने बताया कि रात्रिकालीन अभियान भी चलाया जा रहा जिससे, यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे और आवागमन में आम नागरिकों को राहत मिल सके। कार्यवाही के समय सहायक अतिक्रमण निरोधक अधिकारी अखिलेश सिंह भदौरिया, श्रीमती एकता रघुवंशी तथा सहायक परिवहन एवं यातायात प्रबंधन अधिकारी दीपेंद्र सिंह रावत, दल प्रभारी एवं कर्मचारीगण लक्षण कोरी, नदीम खान, जोसफ प्रवीण, अंकित पारस, वीरेंद्र मिश्रा, ब्रज किशोर तिवारी एवं अन्य संबंधित स्टाफ उपस्थित रहे।

नवनिर्मित प्रसाधन केंद्र का शुभारंभ

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

उत्तर मध्य विधानसभा के विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय ने जवाहरगंज वार्ड अंतर्गत गंजीपुरा में नवनिर्मित प्रसाधन भवन को नागरिकों के लिए लोकार्पित करके समर्पित किया, इस दौरान मेयर इन काउंसिल सदस्य रजनी कैलाश साहू, विवेक राम सोनकर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय ने कहा कि आज हमनें जवाहरगंज वार्ड में प्रसाधन केंद्र का शुभारंभ किया जिसमें लगभग ?20 लाख रुपए की लागत से लॉर्डगंज में प्रसाधन केंद्र का शुभारंभ किया एवं लगभग ?8 लाख की लागत से अंधेर देव में प्रसाधन केंद्र का शुभारंभ किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता,स्थानीय व्यापारिजन,क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित थे।

आलोक श्रीवास्तव एवं एनबी छेत्री को राष्ट्रीय स्तर पर मिला दायित्व

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

ऑल इंडिया इलेक्ट्रिसिटी स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (एआईईएससीबी) की वार्षिक आम सभा की बैठक विगत दिवस मुंबई में आयोजित की गई। बैठक में देशभर की विद्युत कंपनियों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने सहभागिता की तथा खेल गतिविधियों के विस्तार एवं प्रोत्साहन पर व्यापक चर्चा की गई। बैठक के दौरान खेल क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान, दीर्घकालीन समर्पण एवं सक्रिय भूमिका के आधार पर जबलपुर से दो प्रमुख पदाधिकारियों को महत्वपूर्ण राष्ट्रीय दायित्व सौंपे गए। आलोक श्रीवास्तव महाप्रबंधक, एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी को एआईईएससीबी का वरिष्ठ उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं प्रख्यात हॉकी एवं बॉडीबिल्डिंग खिलाड़ी एन बी क्षेत्री को एआईईएससीबी का खेल सलाहकार नामित किया गया है। इस अवसर पर एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के सीजीएम एवं एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर राजीव गुप्ता ने दोनों पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी हैं।

बालपन से ही डालना चाहिए बच्चों में पीड़ितों की सेवा के संस्कार

स्वामी रामचंद्र दास शास्त्री के जन्मोत्सव पर नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में 550 मरीजों की जांच

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

संत और शास्त्र कहते हैं कि माता पिता के सत्कर्मों से लौकिक सुख मिलता है। भक्ति और जीवन में गुरु कृपा से उत्तरोत्तर वृद्धि होती है। गुरु कृपा से ही सांसारिक जीवन में आने वाली व्याधियों को दूर करने का आत्मिक बल आता है। सेवा के प्रकल्पों को निरंतर जारी रखने के लिए आप अपने बच्चों को प्रेरित करते हुए उन्हें भी सेवा करने के लिए उत्साहित करना चाहिए। लौकिक नेत्रों को संत महात्माओं के मार्गदर्शन और आध्यात्मिक ज्ञान से भौतिक नेत्रों को चिकित्सकीय उपचार से स्वस्थ करने का कार्य परम पूज्य स्वामी रामचंद्र दास शास्त्री के आशीर्वाद से नरसिंह मंदिर गीता धाम परिवार में निरंतर 22 वर्ष से 22 फरवरी को नेत्र शिविर में होता है। डॉ पवन स्थापक अनवरत देवजी नेत्रालय तिलवारा घाट में निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण उपरांत मोतियाबिंद ऑपरेशन कर लेंस प्रत्यारोपण करते हैं,उक्त उद्गार श्रीमद् जगतगुरु नरसिंह पीठाधीश्वर डॉक्टर स्वामी नरसिंह देवाचार्य जी महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी राधे चैतन्य, स्वामी हनुमान दास, आचार्य वासुदेव शास्त्री सहित वक्ताओं ने नरसिंह मंदिर में स्वामी रामचंद्र दास शास्त्री के पावन जन्मोत्सव पर विगत 22 वर्षों से अमेरिका निवासी ठाकुर हरकेश सिंह के सहयोग से आयोजित निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में कहे। जबलपुर संस्कारधानी में सनातन संस्कृति और सर्वांगीण विकास कार्यों के लिए श्री सनातन धर्म महासभा जबलपुर नरसिंह मंदिर गीता धाम परिवार की ओर से लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह जी को संतों के सानिध्य में शाल श्रीफल स्मृति चिन्ह सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। नेत्र चिकित्सा शिविर में 515 रोगियों की निःशुल्क चिकित्सा जांचें कर 155 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। नेत्र चिकित्सा शिविर में मंत्री राकेश सिंह, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू भैया, डा पवन स्थापक, हरकेश सिंह ठाकुर, श्याम साहनी, श्रीमति नीना सिंह ठाकुर, पूनम ठाकुर, (अमेरिका) श्रीमती कमलजीत परमार, हैप्पी परमजीत परमार, गुरदीप सिंह परमार, डॉ पवन अनुपमा स्थापक, सुनीता चावला, मीरा दुबे, अंजू भार्गव,गिरिराज चाचा ,डॉ दीपक बहरानी, डॉ डी के डांग, हैप्पी परमार, गुलशन मखीजा, शरद काबरा, प्रवेश खेड़ा, डॉ संदीप मिश्रा, विध्येश भापकर, राजेन्द्र यादव, मनोज नारंग, जगदीश साहू, लोकराम कोरी,इन्दु राजेन्द्र प्यासी, सुधा यादव,शिवनारायण शर्मा,कृष्णा यादव, सत्येन्द्र ज्योतिषी, के के बस्सी , जीवन कपिल, मुन्ना पांडे, विष्णु पटेल, सहेली गुप्र, जायंट्स क्लब, भक्त परिवार नरसिंह मंदिर गीता धाम परिसर में मंच संचालन प्रवेश खेड़ा,लकी भाटिया ने और आभार ज्ञापन दीपक असरानी ने किया।

दरबार-ए-जमाली में रोजा अफ्तार

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

हजरत मुल्ला जमालुद्दीन शाह चिश्ती हामीदी के उर्स मुबारक के अवसर पर मुस्लिम बहुल क्षेत्र मंडी मदार टेकरी स्तिथ दरबार-ए-जमाली पर अफ्तार-ए-आम का आयोजन किया गया। सूफी बाबा मेराज अहमद जमाली की सदारत और खादिम बाबा जमाली की कयादत में आयोजित उर्स व अफ्तार में परम्परानुसार मजार शरीफ पर चादरपोशी की गई और फूल-माला पेश कर अकीदत का इजहार किया गया। मगरिब के वक्त सामूहिक रूप से रोजा अफ्तार कराया गया, जिसमें मतीन अंसारी, हाजी शेख जमील नियाजी, पार्षद अख्तर अंसारी, गुड्डू नबी, इश्तियाक अंसारी सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे। अफ्तार के बाद सामूहिक नमाज अदा की गई और मुल्क की खुशहाली तथा अमन-चैन के लिए दुआ की गई।

दुगार्वाहिनी बैठक में गूंजा सनातन का संकल्प

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

विश्व हिंदू परिषद महाकौशल प्रांत की दुगार्वाहिनी की प्रांत बैठक 21 एवं 22 फरवरी को जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर में अत्यंत उत्साह, ऊर्जा और राष्ट्रभक्ति के वातावरण में सम्पन्न हुई। बैठक में संगठन मंत्री जितेंद्र जी, प्रदीप जी, प्रज्ञा माला दीदी, मालती दीदी, पंकज जी सहित पूरे महाकौशल प्रांत से पहुँचे दुगार्वाहिनी के समर्पित कार्यकताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक में हिंदू धर्म, सनातन संस्कृति और राष्ट्रीय अस्मिता की रक्षा को लेकर गंभीर मंथन हुआ। वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि समय की पुकार है कि हम संगठित होकर समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचें, युवाओं में संस्कार जगाएं और मातृशक्ति को सशक्त बनाएं। पूर्ण ऊर्जा और दृढ़ संकल्प के साथ यह निर्णय लिया गया कि दुगार्वाहिनी संगठन को गांव-गांव, नगर-नगर तक और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा।

एक स्वर में लिया संकल्प : हम संगठित हैं, समर्पित हैं और सनातन संस्कृति की रक्षा के लिए सदैव तत्पर हैं। बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई तथा व्यापक जनजागरण अभियान चलाने का निर्णय लिया गया, जिससे अधिक से अधिक समाजबंधुओं को जोड़ा जा सके। यह बैठक केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि हिंदू राष्ट्र और सनातन संस्कृति की रक्षा हेतु एक सशक्त संकल्प का उद्घोष थी।

सकल चौरसिया समाज के पदाधिकारियों ने ली शपथ

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

चौरसिया समाज जबलपुर के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह विगत दिवस अग्रवाल धर्मशाला, ग्वारीघाट में उल्लास एवं आनंदमय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में समाज के तीनों मंडलों — वरिष्ठ मंडल, नवयुवक मंडल एवं महिला मंडल — की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की गई तथा पदाधिकारियों ने विधिवत शपथ ग्रहण की। समाज के नवनियुक्त अध्यक्ष शिव कुमार नारायण प्रसाद चौरसिया, सचिव भगवान नीलकंठ चौरसिया, कोषाध्यक्ष शैलेंद्र गोवर्धन चौरसिया एवं मीडिया प्रभारी अनिकेत दिलीप चौरसिया ने पद की शपथ ली। महिला मंडल में अध्यक्ष श्रीमती रीता हरीश चौरसिया, सचिव श्रीमती सरिता भगवान चौरसिया, कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती स्नेहलता दिनेश चौरसिया, सह सचिव श्रीमती रेखा राजेश चौरसिया तथा कोषाध्यक्ष श्रीमती श्वेता शैलेंद्र चौरसिया ने पदभार ग्रहण किया। सांस्कृतिक सचिव के रूप में श्रीमती सुमन हरीश चौरसिया, सह सांस्कृतिक सचिव श्रीमती रितु विवेक चौरसिया तथा उपाध्यक्ष श्रीमती वंदना अखिल चौरसिया को नियुक्त किया गया। महिला संरक्षक मंडल में श्रीमती ज्ञानवती चौरसिया, श्रीमती अभिलाषा राजू विश्व, श्रीमती देवेश्वरी मोदी एवं श्रीमती अनीता शिवकुमार चौरसिया को शामिल किया गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में श्रीमती हेमलता राजेश चौरसिया एवं श्रीमती सरिता अवधेश चौरसिया नियुक्त हुईं।

नवयुवक मंडल में अध्यक्ष राहुल राजू चौरसिया, सचिव आशीष सुशील चौरसिया, संयुक्त सचिव राहुल चौरसिया (एम.आर.), कोषाध्यक्ष सुशील लखनलाल चौरसिया, उपाध्यक्ष अभिषेक चौरसिया (एम.आर.), पंकज चौरसिया, नितिन ह्यपिंकूल्ल चौरसिया एवं दुर्गेश चौरसिया, संगठन सचिव आलोक चौरसिया, संरक्षक अधिवक्ता आनंद चौरसिया एवं विधि सलाहकार अधिवक्ता अनुज दिलीप चौरसिया ने शपथ ली। कार्यक्रम का शुभारंभ अजय पंचमलाल चौरसिया (बेदी नगर) द्वारा संगीतमय सुंदरकांड पाठ से हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में समाजजनों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के अंतर्गत तीनों मंडलों के अन्य पदाधिकारियों, संरक्षकों एवं सलाहकार मंडल के सदस्यों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। समाज के कार्यकारी अध्यक्ष राजू चौरसिया (आर.सी.), महासचिव मनोज गौरीशंकर चौरसिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश जवाहरलाल चौरसिया, उपाध्यक्ष गोपाल नारायण चौरसिया, मनीष चौरसिया (अंधेर देव), सत्यनारायण चौरसिया (रांझी) एवं ऋषि चौरसिया (गढ़ा) को दायित्व सौंपा गया। संरक्षक मंडल में मधुसूदन मोदी, आर.ए. राम चौरसिया, प्रकाश चौरसिया, अखिल चौरसिया, कैलाश चौरसिया (फूटा ताल), राजू चौरसिया (विश्व), राजेश चौरसिया (गंगानगर) एवं योगेश चौरसिया को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। सलाहकार के रूप में इंजीनियर रमेश चौरसिया, इंजीनियर हरीश, अवधेश चौरसिया, राम सेवक चौरसिया, शिवचरण चौरसिया, महेश चौरसिया (गोरखपुर), मुकेश चौरसिया (वेलकिन), शैलेंद्र चौरसिया ह्यसिल्लूह्ल एवं प्रमोद चौरसिया को दायित्व सौंपा गया। वरिष्ठ मंडल में संगठन सचिव संदीप चौरसिया तथा नवयुवक मंडल में संगठन सचिव विजय ईश्वरी चरण गुप्ता को नियुक्ति पत्र दिए गए। हरीश महेश्वर प्रसाद चौरसिया को समाज का प्रवक्ता एवं अनिकेत दिलीप चौरसिया को मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती प्राची चौरसिया एवं सोनू सौरभ द्वारा भजन एवं गीत प्रस्तुत किए गए। बाल कलाकारों ने फूलों की होली का मनोहारी आयोजन कर सभी का मन मोह लिया। अध्यक्ष शिव चौरसिया ने समाजजनों को एकजुटता के लिए बधाई देते हुए समाज को विकास के पथ पर अग्रसर करने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर प्रकाश चौरसिया, मधुसूदन मोदी, हरि चौरसिया, अखिल चौरसिया, डॉ. आरए राम, श्रीमती रीता हरीश चौरसिया एवं श्रीमती देवेश्वरी मोदी सहित अनेक वरिष्ठजनों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं।

मां की बेटियों ने मनाया फाग उत्सव

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

बड़ी खेर माई महिला समिति दवारा माँ की बेटियाँ समूह ने खाटू श्याम मन्दिर गोरखपुर में कीर्तन का प्रोग्राम किया जिसमें फाग उत्सव बड़े धूम धाम से गुलाल, गुलाब, फूलों की होली मनायी गयी। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने इस फाग उत्सव का आनंद उठाया। तेरे दर पर आना काम हैं मेरा हम सब "माँ की बेटियों को मंजिल तक पहुचना काम हैं।

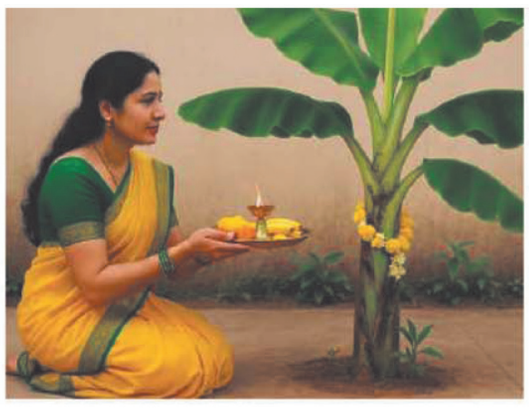

धन और खुशहाली का प्रतीक है केले का पौधा

भारतीय संस्कृति और वास्तु शास्त्र में पेड़-पौधों को सिर्फ हरियाली का हिस्सा नहीं, बल्कि देवी-देवताओं का स्वरूप और सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत माना जाता है। इन्हीं पौधों में से एक है केले का पौधा, जिसे हिंदू धर्म में अत्यंत पवित्र और शुभ माना गया है। घर में केले का पौधा लगाने से ना केवल सुख-समृद्धि आती है, बल्कि यह धन और खुशहाली का भी प्रतीक माना जाता है। आइए जानते हैं वास्तु के अनुसार केले के पौधे का महत्व और इसे घर में लगाने के कुछ खास नियम।

- केले का पौधा भगवान विष्णु को अत्यंत प्रिय है। यही कारण है कि बृहस्पतिवार (गुरुवार) के दिन भगवान विष्णु और देवगुरु बृहस्पति की पूजा में केले के पत्ते और फल का विशेष रूप से इस्तेमाल किया जाता है। माना जाता है कि केले के पेड़ में स्वयं भगवान विष्णु का वास होता है। जिस घर में यह पौधा होता है, वहां विष्णु भगवान की कृपा हमेशा ही बनी रहती है।
- वास्तु शास्त्र के अनुसार, केले का पौधा घर की नकारात्मक ऊर्जा को दूर करता है। साथ ही, घर में सकारात्मकता लेकर आता है। यह घर में शांति और खुशहाली लाने में मदद करता है। इसके अलावा, यह घर के सदस्यों के बीच प्रेम और खुशहाली भी बढ़ाता है।

केले का पौधा लगाने के नियम

केले के पौधे का पूरा लाभ पाने के लिए इसे सही दिशा और सही जगह पर लगाना बहुत जरूरी है।

सही दिशा वास्तु के अनुसार, केले का पौधा हमेशा ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) में लगाना चाहिए। यह दिशा देवताओं की दिशा मानी जाती है और अत्यंत शुभ होती है। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

जगह का चुनाव केले के पौधे को कभी भी घर के मुख्य द्वार के ठीक सामने या घर के बिल्कुल बीच में नहीं लगाना चाहिए। इसे घर के पिछले हिस्से में या आंगन में लगाना शुभ होता है। ध्यान रहे कि यह पौधा इतना बड़ा न हो कि घर में आने वाली धूप या हवा को रोक दे।

साफ-सफाई केले के पौधे के आसपास हमेशा साफ-सफाई रखनी चाहिए। गंदे स्थान पर लगाने से इसके शुभ प्रभाव कम हो सकते हैं। नियमित रूप से सूखे पत्तों को हटाते रहें।

पूजा-अर्चना गुरुवार के दिन केले के पौधे की पूजा करना विशेष रूप से फलदायी होता है। इस दिन पौधे को जल अर्पित करें, हल्दी और गुड़ चढ़ाएं। इससे भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं और घर में सुख-समृद्धि आती है।

तुलसी के पास नहीं केले के पौधे को कभी भी तुलसी के पौधे के पास नहीं लगाना चाहिए। इन दोनों पौधों को अलग-अलग जगह पर रखना ही उचित माना जाता है।

जानिए नाखून पर चंद्रमा का राज क्या है?

नाखूनों पर चांद बनने का अर्थ

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार,चेहरे,हाथ, पैरों की विशेष बनावट, मौजूद रेखाओं और संकेतों के जरिए व्यक्ति के जीवन से जुड़े विशेष पहलुओं के बारे में अनुमान लगाया जा सकता है। व्यक्ति के शरीर पर कई ऐसे निशान मौजूद होते हैं, जो जीवन में घटित होने वाली कई शुभ-अशुभ घटनाओं का संकेत देते हैं। अपने कई लोगों की उंगलियों के नाखूनों पर चांद जैसी आकृति बनते देखा होगा। नाखून पर दिखाई देने वाले आधे चांद को लुनुला कहते हैं। आइए जानते हैं नाखूनों पर चांद का निशान बनने का क्या मतलब है?

- सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार,नाखूनों पर चांद बनने से व्यक्ति को शुभ-अशुभ दोनों परिणाम मिल सकते हैं। यह जीवन में लाभ के साथ कई चुनौतियां भी ला सकता है।
- ऐसी मान्यता है कि जिन लोगों के नाखूनों पर आधा चांद बनता है। वह लोग आर्थिक मामलों में बहुत भाग्यशाली होते हैं और इन्हें जीवन में कभी भी पैसों की दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ता है।
- मान्यता है कि तर्जनी उंगली के नाखूनों पर अर्धचंद्र हो, तो ऐसे लोग स्वाभिमानी होते हैं और अपनी मेहनत के दम पर हर क्षेत्र में कामयाबी हासिल करते हैं।
- सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, मध्यमा उंगली के नाखून पर आधा चांद हो, तो ऐसे लोगों के धनी होने की संभावनाएं रहती है। ये लोग आर्थिक रूप से मजबूत होते हैं, लेकिन विवाह और नौकरी मिलने में देरी होती है।
- मान्यताओं के मुताबिक, अनामिका उंगली पर आधे चांद का निशान व्यक्ति को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन कामयाबी दिलाता है। ऐसे लोग बहुत स्वाभिमानी और ईमानदार होते हैं। वहीं कनिष्ठिका उंगली के नाखून पर अर्धचंद्र बनने पर व्यक्ति कड़ी मेहनत कसे यश की प्राप्ति करता है। ऐसे लोग व्यापार, संगीत और एंकरिंग के क्षेत्र में तरक्की करते हैं।
- कहा जाता है कि जिन लोगों के नाखूनों पर आधे चांद का चिन्ह होता है, वह स्वभाव से काफी हेल्पफुल होते हैं और दूसरों की मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। यह काफी मेहनती भी होते हैं।
- नाखूनों पर आधे चांद का निशान बनना बुद्धिमान व्यक्ति का संकेत माना गया है। मान्यता है कि ऐसे लोग दिल के बहुत साफ होते हैं और दूसरों के बारे में नकारात्मक विचार नहीं रखते हैं।
- सामुद्रिक शास्त्र में उंगलियों के नाखूनों पर धुंधला और अस्पष्ट चांद बनना एक अच्छा संकेत नहीं माना गया है। कहा जाता है कि यह खराब सेहत की ओर इशारा करता है। वहीं, अगर नाखूनों पर बने चांद स्पष्ट और साफ हो, तो ऐसे लोग मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत माने जाते हैं।

हर स्किन टोन पर अच्छे लगते हैं एक्सपेंसिव दिखने वाले कलर कॉम्बिनेशन

कपड़े खरीदने जाए तो अक्सर कंफ्यूजन हो जाता है कि कौन सा कलर सबसे ज्यादा खूबसूरत लगेगा और, ट्रेडशिनल कपड़ों की शॉपिंग में बहुत ज्यादा टाइम लग जाता है। खासतौर पर जब डस्की स्किन हो। लेकिन अगर पहले से पता हो कि कौन सा कलर कॉम्बिनेशन आपके स्किन टोन से का साथ अट्रैक्टिव दिखेगा तो शॉपिंग करने में ज्यादा टाइम ना लगे। अगर आप एक्सपेंसिव और अट्रैक्टिव लुक चाहती हैं तो इन कलर कॉम्बिनेशन को जरूर ध्यान में रखें। जो हर वार्म और कूल दोनों तरह के टोन के साथ अट्रैक्टिव दिखते हैं।

रानी पिंक एंड गोल्डन

ट्रेडिशनल कपड़ों में साड़ी, लहंगा या फिर सूट पहनना चाहती हैं तो पिंक एंड गोल्डन कलर कॉम्बिनेशन आसानी से एक्सपेंसिव लुक दे सकते हैं। ये हर स्किन टोन पर जंचते हैं।

प्लम एंड टील ग्रीन

डस्की स्किन टोन है तो प्लम कलर खूबसूरत लगता है। वहीं कूल टोन पर भी ये कलर जंचता है। ऐसे में प्लम एंड टील ग्रीन का कॉम्बिनेशन एक्सपेंसिव होने के साथ ही हर स्किन टोन पर जंचता है।

मस्टर्ड एंड पिंक

मस्टर्ड कलर जितना फेयर स्किन पर खूबसूरत दिखता है उतना ही सांवली रंगत पर जंचता है। पिंक के साथ मस्टर्ड का कॉम्बिनेशन एक्पेंसिव और हर स्किन टोन पर अट्रैक्टिव दिखेगा।

मैजेंटा एंड बीज कलर

एक्सपेंसिव लुक चाहती हैं तो मैजेंट एंड बीज कलर कॉम्बिनेशन को ट्राई करें। सबसे खास बात कि ये कलर सांवली रंगत, डस्की स्किन से लेकर फेयर स्किन सब पर खूबसूरत दिखता है।

रसोई में जरूर कर लें ये बदलाव सेहत रहेगी दुरुस्त

अच्छे सेहत की शुरुआत हेल्दी किचन से होती है। इसलिए लोगों ने हेल्दी खानपान के साथ ही काफी सारे अनहेल्दी और हार्मफुल रसोई के सामानों को ना इस्तेमाल करने की सलाह दी। जनवरी शुरू होने के साथ ही आप भी अपने रसोई में इन बदलावों को जरूर कर लें। जिससे हेल्दी रहना आसान हो सके।

नॉनस्टिक बर्तनों को कहें बॉय

नये साल का रिजॉल्यूशन लेना चाहते हैं तो इस साल अपनी रसोई से सभी तरह के नॉनस्टिक पैन, तवा, कड़ाही जैसे बर्तनों को टाटा-बॉय बोल दें। इसके बाद आयरन के बने तवा और कड़ाही का इस्तेमाल करें।

एल्यूमिनियम फॉइल को कहें ना

एल्यूमिनियम फॉइल में रोटी या पराठा लपेटने की आदत को कहें ना। नये साल से हेल्दी हैबिट फॉलो करनी है तो अपनी रसोई से एल्यूमिनियम फॉइल को निकालकर किसी कपड़े या बटर पेपर में रोटी, पराठा लपेटने की आदत लगाएं।

लिक्विड डिशवॉशर को बोलें ना

काफी सारी रिसर्च में खुलासा हो चुका है कि लिक्विड डिशवॉशर सोप में कई तरह के हार्मफुल केमिकल होते हैं। ऐसे में लिक्विड डिशवॉश जेल को रसोई से बाहर कर दें।

किचन को करें डिक्लटर

किचन में मौजूद गैर जरूरी चीजें इस साल जरूर साफ कर लें। जिन चीजों का इस्तेमाल नहीं करते उन्हें फौरन रसोई से बाहर करें और रसोई को डिक्लटर करें।

नहाने के पानी में जरूर मिलाएं ये 4 चीजें

सुंदरता के साथ बढ़ेगा आपका सौभाग्य और आकर्षण

हमारे डेली रुटीन में नहाना का एक बहुत ही अहम हिस्सा है। अब भले ही सर्दियों में लोगों का नहाना जरूर कुछ कम हो जाए लेकिन फिर भी हफ्ते में दो-चार बार थक हार कर बाथरूम का रुख लोग कर ही लेते हैं। खैर, नहाना महज शरीर की गन्दगी को साफ करने के लिए जरूरी नहीं बल्कि कहीं ना कहीं ये आपको मानसिक शांति और चीजों को बेहतर ढंग से समझने की शक्ति भी देता है। ज्योतिष और वास्तु में भी नहाने का बहुत ही महत्व बताया गया है। हमारे प्राचीन ग्रंथों में कुछ ऐसी चीजों का जिक्र है जिन्हें पानी में मिलाकर नहाने से सौभाग्य, खुशहाली और सुख-समृद्धि में बढ़ोतरी होती है। इतना ही नहीं ये सभी चीजें आपकी खूबसूरती और आकर्षण को बढ़ाने का भी काम करती हैं। तो चलिए आज इन्हीं के बारे में जानते हैं।

नहाने के पानी में मिलाएं चुटकी भर हल्दी

लगभग हर भारतीय रसोई में कुछ मिले या ना मिले, हल्दी तो जरूर मिल ही जाती है। ये सिर्फ खाने की रंगत और स्वाद बढ़ाने का ही काम नहीं करती बल्कि इसे आप अपने नहाने के पानी में भी मिला सकते हैं। कहते हैं कि पानी में चुटकी भर हल्दी मिलाकर नहाने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। इसके साथ ही हल्दी की प्यूरीफाइंग प्रॉपर्टीज हर तरह की नकारात्मक ऊर्जा को दूर करती है। अगर आप रोजाना पानी में हल्दी मिलाकर नहाते हैं तो ये आपकी त्वचा को साफ-सुथरा बनाने और उसकी रंगत निखारने में भी मदद करती है।

नहाने के पानी में मिलाएं तुलसी के पत्ते

तुलसी के पौधे का धार्मिक महत्व तो आपको पता ही होगा, साथ ही सेहत के लिए भी तुलसी के पत्ते किसी वरदान से कम नहीं। नहाने के पानी में यदि तुलसी के कुछ पत्ते या अर्क मिला दिया जाए, तो ये भी स्किन के लिए काफी फायदेमंद होता है। तुलसी के पत्तों में पाए जाने वाले एंटीबैक्टीरियल गुण, त्वचा संबंधी कई परेशानियों को खत्म करने में मददगार होते हैं। साथ ही ये स्ट्रेस लेवल को कम करने में भी काफी हेल्पफुल होता है। ज्योतिष के अनुसार तुलसी के पत्ते मिलाकर नहाने से नकारात्मकता दूर होती है और सौभाग्य में वृद्धि होती है।

गुलाब की पत्तियों को करें शामिल

नहाने के पानी में गुलाब की पत्तियों को मिलाना भी काफी फायदेमंद है। सदियों से गुलाब का इस्तेमाल इसके स्किनकेयर बेनिफिट्स के लिए होता रहा है। गुलाब की कुछ पंखुड़ियां पानी में मिलाकर नहाने से त्वचा तो कोमल और ब्राइट होती ही है, साथ ही इसकी खुशबू मूड को बेहतर बनाने और स्ट्रेस को कम करने में भी मदद करती है। इसके साथ ही मान्य है कि गुलाब के पत्तों वाले पानी से नहाने पर जीवन में प्रेम, खुशहाली और सुख-समृद्धि बनी रहती है और सौभाग्य में भी वृद्धि होती है।

पानी में मिलाएं चंदन के तेल की कुछ बूंदे

चंदन का इस्तेमाल भी सदियों से अपनी खूबसूरती को निखारने के लिए होता आया है। यूं तो आप चंदन पाउडर की उबटन बनाकर भी नहा सकते हैं,लेकिन पानी में चंदन के तेल की कुछ बूंदे मिलाकर नहाना सबसे आसान और कारगर तरीका है। ये सिर्फ आपकी त्वचा में निखार लाने और उसे खुशबूदार बनाने का ही काम नहीं करता,बल्कि ज्योतिष के अनुसार ये जीवन में गुड लुक और पॉजिटिविटी अट्रैक्ट करने का भी काम करता है। इसके साथ ही इसकी भीनी खुशबू मूड को तुरंत खुशनुमा बनाकर ताजगी और सुकून देती है।

शरीर को हेल्दी बनाए रखने के लिए खानपान का ध्यान रखना सबसे ज्यादा जरूरी होता है। संपूर्ण पोषण के लिए रोजाना का थाली भर भोजन ही काफी नहीं होता, बल्कि हमें और भी एक्स्ट्रा चीजों को अपनी डाइट का हिस्सा बनाना पड़ता है। ड्राई फ्रूट्स यानी सूखे मेवे इन्हीं में से एक हैं। हम सभी को बचपन से ये बताया जाता है कि ड्राई फ्रूट्स हमारी सेहत के लिए कितने फायदेमंद हैं इसलिए रोज मुट्ठी भर सूखे मेवे चबाए बिना हमारा दिन ही नहीं बनता। इस बात में पूरी सच्चाई है कि सूखे मेवे हमारे शरीर को जरूरी पोषक तत्व देने का काम करते हैं इसलिए कुछ ड्राई फ्रूट्स हमें रोजाना खाने भी चाहिए। हालांकि कुछ ऐसे ड्राई फ्रूट्स भी हैं जिन्हें रोजाना खाने से परहेज करना चाहिए। आइए आज उन्हीं के बारे में जानते हैं।

रोज-रोज नहीं खाने चाहिए ये ड्राई फ्रूट

रोज ना खाएं काजू

काजू एक ऐसा ड्राई फ्रूट है जो लगभग सभी को पसंद आता है। यह खाने में तो टेस्टी होता ही है, साथ ही कई पोषक तत्वों से भी भरपूर होता है। यह शरीर के लिए कई तरह से फायदेमंद भी है लेकिन फिर भी एक सीमित मात्रा में ही इसका सेवन करने की सलाह दी जाती है। दरअसल काजू में भरपूर मात्रा में फैट और कैलोरी पाई जाती हैं। इसलिए रोज-रोज और अधिक मात्रा में काजू का सेवन करने से शरीर का वजन तेजी से बढ़ सकता है। इसके साथ ही ये शरीर के कोलेस्ट्रॉल लेवल को भी प्रभावित कर सकता है, जिससे हार्ट पर भी बुरा इफेक्ट पड़ सकता है।

सीमित मात्रा में खाएं ब्राजील नट

ब्राजील नट जिसे हिंदी में त्रिकोणफल के नाम से भी जाना जाता है, मुख्य रूप से साउथ अमेरिका में पाया जाता है। विटामिन और मिनरल से भरपूर ये ड्राई फ्रूट, सुपर फूड की तरह काम करता है। यह शरीर और दिमाग दोनों की सेहत को दुरुस्त रखने में मदद करता है। हालांकि इस ड्राई फ्रूट को भी अधिक मात्रा में खाने से फायदे की जगह नुकसान हो सकता है। दरअसल ब्राज़ील नट में भरपूर मात्रा में सेलेनियम पाया जाता है। ऐसे में इसे अधिक मात्रा में खाने से सेलेनियम टॉक्सिसिटी के साथ-साथ सिर दर्द, बदन दर्द और थकान की समस्या हो सकती है। हेजलनट हार्ट की मजबूती से लेकर, शुगर कंट्रोल करने तक हेजलनट को खाने के कई फायदे हैं। इसका सेवन करने से हड्डियां मजबूत होती हैं और शरीर की इम्युनिटी भी बूस्ट होती है। इतना फायदेमंद होने के बावजूद हेजलनट को सीमित मात्रा में ही खाना चाहिये। साथ ही इसे रोज-रोज खाने से भी बचना चाहिए। दरअसल हेजलनट में फैट और कैलोरी बहुत ही अधिक मात्रा में पाए जाते हैं। इसलिए इसे अधिक खाने से शरीर का वजन तो बढ़ सकता ही है, साथ ही हार्ट संबंधी बीमारियां का खतरा भी बढ़ सकता हैं।

पाइन नट भी है लिस्ट में

रोज ना खाए जाने वाले ड्राई फ्रूट्स की लिस्ट में पाइन नट का भी नाम शामिल है। यूं तो पाइन नट शरीर के लिए कई तरह से फायदेमंद है। इसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड पाया जाता है, जिसका उचित मात्रा में सेवन करने से लाभ मिलता है। हालांकि अगर इसे ज्यादा मात्रा में खाया जाए तो यह शरीर को लाभ पहुंचाने के बजाय, नुकसान भी पहुंचा सकता है। ये ड्राई फ्रूट भी फैट और कैलोरी से भरपूर होता है, जिसका अधिक सेवन करने से वजन बढ़ने की समस्या और कोलेस्ट्रॉल मैनेजमेंट में काफी परेशानी हो सकती है।

बच्चों की सफलता के लिए जरूरी है ऐसी दिनचर्या...

जीवन में आगे बढ़ना है और सफलता पानी है, तो एक सही दिनचर्या का होना बेहद जरूरी है। एक अच्छी दिनचर्या का पालन करने से सभी काम सही समय पर पूरे होते हैं, साथ ही व्यक्ति मानसिक और शारीरिक रूप से भी उन्नति करता है। अगर बचपन में ही मां-बाप बच्चों की दिनचर्या पर ध्यान दें तो ये भविष्य में उनकी उन्नति के रास्ते खोल देता है। बच्चों की सही दिनचर्या कैसी हो इसपर विस्तृत चर्चा की है। सुबह उठते ही सबसे पहले धरती माता को प्रणाम करें साथ ही उन्होंने बच्चों की उन्नति के लिए सही दिनचर्या के होने का महत्व भी बताया है। आप भी अपने बच्चों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए महाराज श्री की बताई हुई दिनचर्या का पालन उनसे करा सकते हैं।

प्रातः काल ब्रह्ममुहुर्त में उठने की डालें आदत

सुबह सूर्योदय से पूर्व बिस्तर छोड़ देना चाहिए। ब्रह्ममुहुर्त का समय यानी 4 बजे का समय सुबह उठने के लिए सबसे उपयुक्त माना गया है। सुबह उठते ही सबसे पहले धरती माता को प्रणाम करें और फिर संतों और भगवान का नाम लेते हुए आसान का त्याग करें। इसके बाद अपने माता-पिता के चरणस्पर्श कर उनका आशीर्वाद लेना ना भूलें। इसके बाद वज्रासन में बैठकर लगभग आधा या एक लीटर गर्म पानी पीएं और 100 से 200 कदम टहलें। इससे पेट आसानी से साफ होगा जिससे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों दुरुस्त रहेंगे।

ऐसा हो सुबह का रूटीन

बच्चों को फ्रेश होने के तुरंत बाद स्नान कर लेना चाहिए। स्नान के बाद कुछ समय धूप में बैठकर योग और प्राणायाम करें। दंड बैठक, प्राणायाम, सूर्य नमस्कार, आलोम-विलोम जैसे योगासन बच्चे के रूटीन में जरूर शामिल करें। इसके तुरंत बाद बच्चों को पढ़ाई करने बैठ जाना चाहिए। महाराज श्री के अनुसार जो भी कक्षा में

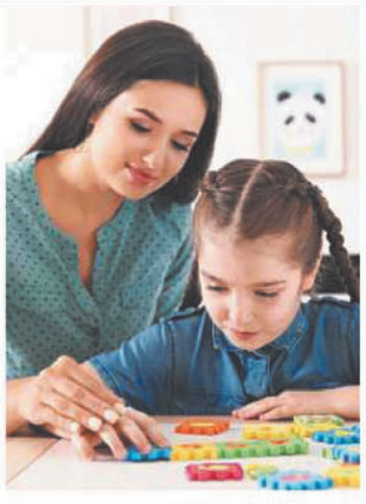

पढ़ाया जा चुका है, उसका रिवीजन करें या कोई भी होम वर्क मिला हो उसे पूरा करें। इस समय याद की गई चीजें बहुत ज्यादा दिनों तक स्मृति में बनी रहती हैं। इसलिए इस समय पढ़ाई करना बेहद अच्छा माना गया है।

बुरे संग से रहें दूर

बच्चे कच्ची मिट्टी की तरह होते हैं, उन्हें जैसे मोड़ दिया जाए वो उसी आकार में ढल जाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि बच्चे गलत संगत से दूर रहें। माता-पिता को अपने बच्चों को यह जरूर सिखाना चाहिए कि यदि कोई बच्चा या कोई भी इंसान उन्हें कोई गंदी चीज दिखा रहा है या बोल रहा है, तो वो उसे तुरंत अपने अध्यापक और माता-पिता से कहें।

बच्चों को खिलाएं सात्विक आहार

बच्चे भले की कितना भी बाहर का जंक फूड या पैकेट वाला भोजन खाना पसंद करते हों लेकिन माता-पिता को उनके आहार का पूरा ध्यान रखना चाहिए। ऐसे में बच्चों को घर का बना साफ-सुथरा सात्विक आहार ही खिलाएं। जैसा भोजन हम खाते हैं, उसका असर हमारे विचारों और बुद्धि पर भी पड़ता है।

रात के समय ऐसी हो दिनचर्या

रात में सोने से पहले बच्चों को भगवान का नाम लेना चाहिए। इस दौरान उन्हें मोबाइल फोन, टीवी जैसी चीजों से दूर रहना चाहिए। भगवान को दिन के लिए धन्यवाद कहें, उनका नाम जप करें और अपने दिन को भगवान को समर्पित करें।

गौरव ने डिवोर्स की अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी

बिग बॉस 19 के विनर गौरव खन्ना किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। टीवी पर वह कई हिट सीरियल का हिस्सा भी रह चुके हैं। सलमान खान के रियलिटी शो में उनकी पर्सनल लाइफ भी सुर्खियों में आ गई थीं। एक्टर ने पत्नी आकांक्षा चमोला के बच्चे प्लान ना करने के फैसले का समर्थन किया था। इसके बाद अब हाल ही में आकांक्षा की हालिया क्रिप्टिक पोस्ट के बाद अफवाहों का बाजार गर्म हो गया कि दोनों अलग होने का मन बना रहे हैं। इस बीच अब एक्टर ने खुद अपने रिश्ते से जुड़े किए जा रहे दावों पर चुप्पी तोड़ी है। गौर खन्ना का नाम टीवी के उन सितारों की लिस्ट में शामिल किया जाता है, जो प्रोजेक्ट्स के साथ ही अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर लाइमलाइट बटोर चुके हैं। हाल ही में ऐसे दावे सोशल मीडिया पर खूब किए गए कि पत्नी संग गौरव की शादी टूट रही है। खैर, अब तमाम तरह की चीजों पर एक्टर ने अपनी प्रतिक्रिया खुद साझा की है। टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक हालिया इंटरव्यू में बिग बॉस 19 विनर गौरव खन्न ने तलाक की अफवाहों पर रिएक्शन दिया। उन्होंने कहा, मुझे यह बात समझ नहीं आती है कि इस तरह की खबरें भला आती कहां से हैं। मुझे ऐसा लगता है कि यह सब कीबोर्ड वॉरियर्स का काम हो सकता है, जो उस इंसान से एक बार सवाल करना भी जरूरी नहीं करते हैं, जिनके बारे में वो दावे कर रहे हैं। गौरव ने आकांक्षा चमोला की क्रिप्टिक पोस्ट का सच भी बताया। उनका कहना है कि यह पोस्ट आकांक्षा के कमबैक के लिए थी। दरअसल, उनकी वेब सीरीज आने वाली है, जिससे वह एक्टिंग में फिर से वापसी कर रही हैं, और इसका प्रचार करने के लिए ही आकांक्षा ने सोशल मीडिया पर क्रिप्टिक पोस्ट शेयर की थी। उस पोस्ट का दोनों के रिश्ते से कोई लेना-देना नहीं है।उन्होंने इस बारे में बात करते हुए कहा, आकांक्षा की शेयर की गई पोस्ट उनकी आने वाली वेब सीरीज के लिए थी, जिसे देखने के बाद लोगों को लगा कि वो और मैं अलग होने वाले हैं। हम बतौर कपल एक दूसरे के साथ काफी ज्यादा खुश हैं। आकांक्षा चमोला एक्टिंग की दुनिया में वापसी करने जा रही हैं, जिसका मैं सपोर्ट करता हूं। हम दोनों हमेशा ही आपसी भावनाओं का ख्याल रखते हैं। अलग होने की खबरें पूरी तरह से झूठ हैं।

कभी 500 रुपये कमाने वाली कीर्ति , आज साउथ सिनेमा की सबसे ज़्यादा कमाई करने वाली स्टार्स में शामिल

साउथ इंडिया की टॉप एक्ट्रेस में से एक कीर्ति सुरेश ने बचपन में ही अपना एक्टिंग करियर शुरू कर दिया था। फिल्म प्रोड्यूसर जी. सुरेश कुमार और एक्ट्रेस मेनका के घर जन्मी कीर्ति का फिल्म इंडस्ट्री से हमेशा कनेक्शन रहा। वह अपने पिता की बनाई कई मलयालम फिल्मों जैसे पायलट्स और अचनेयानेनिकिष्टम में चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर नजर आईं। हालांकि कीर्ति का परिवार इंडस्ट्री में मशहूर था, लेकिन उनकी पहली कमाई हैरानी की बात है कि बहुत कम थी। एक इंटरव्यू में, कीर्ति ने बताया कि उनकी पहली सैलरी सिर्फ 500 रुपये थी। उन्होंने यह रकम कॉलेज के दिनों में एक फैशन शो में बैकस्टेज असिस्टेंट के तौर पर काम करके कमाई थी। जो बात इसे और भी खास बनाती है, वह यह है कि कीर्ति ने यह पैसा अपने पास नहीं रखा। इसके बजाय, उन्होंने इसे अपनी पहली असली सैलरी मानते हुए सारा पैसा अपने पिता को दे दिया। कीर्ति को तेलुगु में पहला बड़ा ब्रेक 2016 में नेनु शैलजा के साथ मिला, जहां उन्होंने अपनी नेचुरल एक्टिंग से दर्शकों को इम्प्रेस किया। लेकिन 2018 में उनका करियर सच में आसमान छूने लगा। उन्होंने महानती में काम किया, जो मशहूर एक्ट्रेस सावित्री की ज़िंदगी पर बनी फ़िल्म थी। सावित्री के रोल में कीर्ति की एक्टिंग की क्रिटिक्स और फ़ैन्स, दोनों ने तारीफ़ की, और उन्होंने बेस्ट एक्ट्रेस का मशहूर नेशनल अवॉर्ड भी जीता।कीर्ति की कड़ी मेहनत और टैलेंट रंग लाया। वह जल्द ही इंडस्ट्री की सबसे ज़्यादा पसंद की जाने वाली एक्ट्रेस में से एक बन गईं। उन्होंने विजय, महेश बाबू और धनुष जैसे बड़े स्टार्स के साथ फ़िल्में कीं। आज, वह सबसे ज़्यादा पैसे कमाने वाली एक्ट्रेस में से एक हैं, जो हर फ़िल्म के लिए 4 से 5 करोड़ रुपये कमाती हैं। दिसंबर 2024 में, कीर्ति ने 15 साल साथ रहने के बाद अपने लॉन्ग-टाइम बॉयफ़्रेंड एंटनी थैटिल से शादी कर ली। शादी के बाद भी, वह कई फ़िल्मों में काम कर रही हैं।

सुरभि ने फ्लांट किया बेबी बंप

टीवी की जोया यानी एक्ट्रेस सुरभि ज्योति इन दिनों अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर चर्चा में हैं. एक्ट्रेस अपनी लाइफ के सबसे खूबसूरत फेज को जी रही हैं. और ऐसे में वो फैंस के साथ अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी कुछ बेहद खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं.

टीवी एक्ट्रेस सुरभि ज्योति अपने किरदारों के लिए जानी जाती हैं. कभी बेला बनकर तो कभी जोया बनकर एक्ट्रेस ने फैंस के दिलों पर राज किया है. सुरभि ने अपने करियर में एक से एक रोल्स निभाए हैं. अब सुरभि अपनी निजी जिंदगी में भी सबसे अहम किरदार को निभाने के लिए तैयार हैं.सुरभि मां बनने वाली हैं और इस खबर से उनके फैंस बेहद खुश हैं.हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर कीं, जहां वो अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आईं.एक्ट्रेस ने ग्रीन कलर के अनारकली सूट में अपनी प्यारी सी तस्वीरों को शेयर किया. इन तस्वीरों में एक्ट्रेस बला की खूबसूरत लग रही हैं.एक्ट्रेस ने अपना बेबी बंप भी फ्लांट किया साथ ही लूस ब्रेड हेयरस्टाइल के साथ लुक को कम्पलीट किया है. सुरभि ने इस सूट के साथ मल्टीकलर का कुंदन नेकलेस वियर किया है.एक्ट्रेस ने इसी शेड की हाथपट्टी भी पहनी है जो उनके लुक में चार चांद लगा रही है. एक्ट्रेस ने अपने हाथ में सुरजमुखी के फूलों को लिया है.एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को देख फैंस भी कमेंट्स करने से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं।

आलिया प्रेजेंटर के तौर पर केट हडसन और अन्य के साथ शामिल हुई

आलिया भट्ट को आने वाले 2026 ब्रिट्स फिल्म अवार्ड्स में प्रेजेंटर के तौर पर अनाउंस किया गया है। यह स्टार-स्टडेड इवेंट 22 फरवरी को लंदन में होने वाला है। वह सिलियन मर्फी, केट हडसन, ग्लेन क्लोज़ और भी कई लोगों के साथ स्टेज शेयर करेंगी। इस अनाउंसमेंट पर रिस्पॉन्स देते हुए, जिगरा एक्टर ने एक इंस्टाग्राम स्टोरी भी शेयर की, जिसमें लिखा था, 100 पॉइंट्स अगर आप मुझे पहचान सकते हैं। उनकी अपीयरेंस BAFTAs में दूसरे इंडियन एक्टर्स द्वारा शुरू किए गए ट्रेडिशन को जारी रखती है। प्रियंका चोपड़ा जोनास ने 2021 में प्रेजेंट किया था, और दीपिका पादुकोण 2024 में सेरेमनी में शामिल हुई थीं। ब्रिट्स 2026 प्रेजेंटर्स की पूरी लिस्ट ब्रिटिश एकेडमी ने मंगलवार को इन प्रेजेंटर्स की घोषणा की= एरॉन पियरे, एमी लू वुड, एलिसिया विकेंडर, आलिया भट्ट, ब्रायन क्रैंस्टन, सिलियन मर्फी, डेविड जोंसन, डेलरॉय लिंडो, एमिली वॉटसन, एरिन डोहर्टी, एथन हॉक, गिलियन एंडरसन, ग्लेन क्लोज़, हन्नाह वाडिंगहैम, केट हडसन, कैथरीन हैन, केरी वाशिंगटन, लिटिल सिम्ज़, मैगी गिलेनहाल, मिया मैककेना-ब्रूस, माइकल बी. जॉर्डन, माइल्स कैटन, मिली एल्कॉक, मिन्नी ड्राइवर, मोनिका बेलुची, नोआ जूप, ओलिविया कुक, पैट्रिक डेम्पसी, रेगे-जीन पेज, रिज़ अहमद, सैडी सिंक, स्टेलन स्कारगार्ड, स्टॉर्मज़ी और वारविक डेविस। ब्रिट्स 2026 कब और कहाँ देखें? एलन कमिंग 2026 ब्रिट्स अवार्ड्स को लंदन, इंग्लैंड के साउथबैंक सेंटर के रॉयल फेस्टिवल हॉल में होस्ट करेंगे। यह सेरेमनी 22 फरवरी को होगी और शाम 7 बजे ब्रिट्स से एयर होगी। दुनिया भर के दर्शक इसे अलग-अलग इंटरनेशनल ब्रॉडकास्टर्स के ज़रिए भी देख पाएंगे।

जबलपुर में तेज रफ्तार एमजी हेक्टर का कहर

पुलिसकर्मी समेत चार घायल, 14 वर्षीय मासूम की हालत गंभीर, शहर में नशे में ड्राइविंग पर उठे सवाल

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

शहर की सड़कों पर तेज रफ्तार और नशे में वाहन चलाने की घटनाएं लगातार खतरे का कारण बनती जा रही हैं। शनिवार देर रात करीब 12 बजे नागराज चौक इनकम टैक्स के पास एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। भंवरताल गार्डन की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार एमजी हेक्टर कार ने अचानक नियंत्रण खो दिया और सड़क किनारे मौजूद लोगों पर चढ़ गई। हादसे में एक पुलिसकर्मी सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि गुब्बारे बेच रहा 14 वर्षीय मासूम बच्चा जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार अत्यधिक रफ्तार में थी और चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। नागराज चौक पहुंचते ही कार पहले सड़क किनारे खड़े लोगों से टकराई, फिर आगे बढ़ते हुए दो कारों और करीब चार से पांच दोपहिया वाहनों को भी अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहनों के परखच्चे उड़ गए और आसपास मौजूद लोग दहशत में आ गए। कुछ ही पलों में मौके पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई।

घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने घायलों को संभाला और एंबुलेंस की मदद से शासकीय अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार घायल पुलिसकर्मी सहित अन्य लोगों का उपचार जारी है, जबकि 14 वर्षीय बच्चे की हालत नाजुक बनी हुई है।

सूचना मिलते ही ओमती थाना प्रभारी राजपाल सिंह बघेल पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने आरोपी चालक अनुराग सोनी को मौके से हिरासत में लेकर वाहन जब्त कर लिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि चालक शराब के नशे में था और लापरवाहीपूर्वक वाहन चला रहा था। पुलिस ने मेडिकल परीक्षण कराते हुए आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है और मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों का फुटेज भी सामने आया है, जिसमें कार की तेज रफ्तार साफ देखी जा सकती है। प्रत्यक्षदर्शियों में शामिल एडवोकेट मोहम्मद शफीक और उनके साथी एडवोकेट रेनॉल्ट ने बताया कि चालक ने बेकाबू रफ्तार में लोगों को कुचल दिया, जिससे मासूम सहित कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

शहर में बीते कुछ समय से तेज रफ्तार और नशे में ड्राइविंग की घटनाएं बढ़ी हैं, जिससे आम नागरिकों में भय का माहौल है। नागरिकों का कहना है कि देर रात सड़कों पर पुलिस की सख्ती बढ़ाई जानी चाहिए और शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। यह हादसा एक बार फिर यातायात सुरक्षा व्यवस्था और कानून के पालन को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है।

फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और घायलों की हालत पर नजर रखी जा रही है। शहरवासियों को उम्मीद है कि इस घटना के बाद प्रशासन सख्त कदम उठाएगा, ताकि भविष्य में ऐसी दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

बाइक से 75 लीटर अवैध डीजल ले जाते युवक को पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा, वाहन समेत माल जब्त

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

गंगई से गोटेगांव की ओर मोटरसाइकिल पर अवैध रूप से डीजल ले जा रहे एक युवक को पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ लिया। आरोपी के कब्जे से 75 लीटर डीजल और परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त कर उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। उप निरीक्षक अभिषेक प्यासी ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 20 एन ए 5270 से अवैध रूप से डीजल बेचने के उद्देश्य से गंगई से गोटेगांव की ओर जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मार्ग में निगरानी शुरू की। जैसे ही संदिग्ध मोटरसाइकिल चालक पुलिस को देख कर भागने का प्रयास करने लगा, पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम लक्ष्मण पटेल पिता स्वर्गीय रेवाराम पटेल, उम्र 36 वर्ष, निवासी ग्राम डगडगा हिनौता थाना तिलवारा बताया।

मोटरसाइकिल पर बंधे तीन कुप्पों की जांच करने पर प्रत्येक में डीजल भरा हुआ पाया गया। तीनों कुप्पों में कुल 75 लीटर डीजल, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 7 हजार रुपये बताई गई है, बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी असुरक्षित तरीके से ज्वलनशील पदार्थ का परिवहन कर रहा था, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी हुई थी। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 75 लीटर डीजल और मोटरसाइकिल जब्त करते हुए उसके खिलाफ धारा 287 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। मामले की विवेचना जारी है।

50 लाख रुपये की मांग पर नवविवाहिता को घर से निकाला, पति और ससुर पर दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

गोहलपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत दमोहनाका स्थित कुचैनी परिसर में रहने वाली एक नवविवाहिता को कथित रूप से 50 लाख रुपये की दहेज मांग पूरी न होने पर घर से निकाल दिए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने पति और ससुर के खिलाफ दहेज प्रताड़ना सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार श्रीमती दीपाली साहू (28) निवासी कुचैनी परिसर दमोहनाका ने

लिखित शिकायत में बताया कि उनका विवाह 13 दिसंबर 2024 को ऋषभ जैन निवासी कुचैनी परिसर दमोहनाका के साथ प्रेम विवाह के रूप में हुआ था। विवाह के दौरान उनकी मां ने अपनी सामर्थ्य के अनुसार सोने के जेवर और अन्य घरेलू सामान उपहार स्वरूप दिए थे। पीड़िता का आरोप है कि विवाह के बाद पति ऋषभ जैन और ससुर राजेंद्र जैन इस शादी से संतुष्ट नहीं थे। कम दहेज मिलने की बात कहकर पति उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट करने लगा। पीड़िता ने यह बात अपनी मां को बताई, जिसके बाद मां और भाई ने ससुराल पक्ष को समझाने का प्रयास किया। शिकायत के अनुसार समझाइश के बावजूद पति और ससुर ने दहेज में 50 लाख रुपये की मांग की। आरोप है कि मई 2025 में मारपीट कर उसे घर से भगा दिया गया। गोहलपुर पुलिस ने लिखित शिकायत के आधार पर आरोपी पति ऋषभ जैन और ससुर राजेंद्र जैन के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की विवेचना की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सिहोरा के आजाद चौक विवाद के बाद पांच थानों का पुलिस बल तैनात, करीब पांच दर्जन उपद्रवी गिरफ्तार; हालात सामान्य, बाजार खुले

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

जिले के सिहोरा क्षेत्र में स्थित आजाद चौक पर दो पक्षों के बीच हुए विवाद और पत्थरबाजी की घटना के बाद एहतियातन अब भी पांच थानों का पुलिस बल तैनात है। प्रशासन का कहना है कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और क्षेत्र में शांति बनी हुई है। बीते दिन आजाद चौक पर किसी बात को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए थे। विवाद ने अचानक तूल पकड़ लिया और देखते ही देखते पत्थरबाजी शुरू हो गई। घटना से क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालने का प्रयास किया। हालात की गंभीरता को देखते हुए आसपास के थानों से भी अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए करीब पांच दर्जन उपद्रवियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और उनके खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया जारी है। अधिकारियों के अनुसार घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान भी की जा रही है। वर्तमान में क्षेत्र में लगातार पुलिस गश्त की जा रही है। प्रमुख चौराहों, बाजार क्षेत्रों और संवेदनशील स्थानों पर जवानों की तैनाती की गई है, ताकि किसी भी प्रकार की अफवाह या पुनः तनाव की स्थिति को रोका जा सके। पुलिस द्वारा स्थानीय नागरिकों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की गई है। प्रशासन का दावा है कि बाजार और अन्य गतिविधियां सामान्य रूप से संचालित हो रही हैं। स्कूल और दुकानें खुली रहीं, जिससे स्पष्ट है कि स्थिति पर पूरी तरह नियंत्रण है। दोनों पक्षों के प्रतिनिधियों से चर्चा कर उन्हें समझाइश दी गई है।

जबलपुर में राशन दुकानों पर दिव्यांगजनों के लिए अलग लाइन अनिवार्य, 15 दिनों में लागू होगी प्राथमिक व्यवस्था

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

अब जिले की सभी उचित मूल्य (राशन) दुकानों पर दिव्यांगजनों को लंबी कतार में खड़े होकर इंतजार नहीं करना पड़ेगा। दिव्यांगजन विभाग ने इस संबंध में संभागायुक्त, कलेक्टर और खाद्य विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार दिव्यांगजनों को सम्मान और सुविधा प्रदान करना शासन की जिम्मेदारी है, इसलिए उनके लिए अलग लाइन या प्राथमिकता व्यवस्था तत्काल लागू की जाएगी।

विभाग को मिली जानकारी के अनुसार कई स्थानों पर दिव्यांगजन राशन लेने के लिए सामान्य कतार में खड़े रहने को मजबूर थे। भीड़-भाड़ और लंबी प्रतीक्षा के कारण उन्हें शारीरिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ता था। इस स्थिति को गंभीर मानते हुए विभाग ने सख्त निर्देश जारी किए हैं कि सभी उचित मूल्य दुकानों पर दिव्यांगजनों के लिए अलग लाइन या प्राथमिकता काउंटर की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि कोई दिव्यांग व्यक्ति स्वयं दुकान तक आने में असमर्थ है, तो उसके अधिकृत प्रतिनिधि या परिवार के सदस्य को प्राथमिकता के आधार पर राशन उपलब्ध कराया जाएगा। विभाग ने चेतावनी दी है कि यदि किसी दुकान पर आदेश की अनदेखी या लापरवाही पाई जाती है, तो संबंधित विक्रेता या अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि 15 दिनों के भीतर इस व्यवस्था को लागू कर उसकी पुष्टि करें। साथ ही राशन वितरण के दौरान इसकी नियमित निगरानी भी की जाए और दिव्यांगजनों को इस नई व्यवस्था की जानकारी दी जाए। ज्ञात हो कि राशन वितरण के समय कई दुकानों पर अत्यधिक भीड़ रहती थी। कुछ क्षेत्रों में धक्का-मुक्की की स्थिति भी बन जाती थी, जिससे दिव्यांगजनों को गंभीर दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। कई बार उन्हें सुबह से दोपहर तक बिना राशन लिए इंतजार करना पड़ता था। नई व्यवस्था लागू होने के बाद उन्हें बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

प्रदेश में ई-केवायसी 76.84% पूरी, 6.64 करोड़ नागरिकों का सत्यापन, 1.65 करोड़ डुप्लीकेट समग्र आईडी हटाई गईं

त्रिपुरी टाईम्स ● जबलपुर
www.tripuritimes.com

सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ लक्षित हितग्राहियों तक सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य की गई ई-केवायसी प्रक्रिया में प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। समग्र पोर्टल पर पंजीकृत 8.65 करोड़ नागरिकों में से अब तक 6.64 करोड़ का ई-केवायसी पूरा हो चुका है, जो कुल 76.84 प्रतिशत उपलब्धि दशार्ता है। इसके साथ ही डेटा की शुद्धता बढ़ाने के लिए डी-डुप्लीकेशन अभियान के तहत 1.65 करोड़ डुप्लीकेट समग्र आईडी हटाई गई हैं। वर्तमान में 42 विभागों और उप-विभागों की 139 से अधिक योजनाओं व सेवाओं में ई-केवायसी अनिवार्य कर दी गई है। शासन का उद्देश्य है कि योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्र व्यक्तियों तक पहुंचे और फर्जी या दोहराव वाले लाभार्थियों को सिस्टम से बाहर किया जा सके।यदि जबलपुर संभाग की स्थिति देखें तो बॉटम-5 जिलों की श्रेणी में जबलपुर जिला 63.43 प्रतिशत ई-

केवायसी के साथ पहले स्थान पर है और इस श्रेणी में भोपाल एवं इंदौर जैसे बड़े जिलों को भी पीछे छोड़ चुका है। वहीं टॉप-5 जिलों में संभाग का छिंदवाड़ा जिला 94.71 प्रतिशत ई-केवायसी के साथ पहले स्थान पर है, जबकि बालाघाट जिला 92.32 प्रतिशत के साथ तीसरे पायदान पर है। डी-डुप्लीकेशन अभियान से न केवल डेटाबेस की शुद्धता बढ़ी है, बल्कि पारदर्शिता में भी सुधार आया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार एमपी ई-सेवा एप को अब तक 20 हजार से अधिक नागरिक डाउनलोड कर चुके हैं। वहीं 40 हजार से ज्यादा लोगों ने पोर्टल पर अपनी प्रोफाइल बनाई है और 25 हजार से अधिक उपयोगकताओं ने ई-केवायसी के माध्यम से अपनी प्रोफाइल अपडेट की है। अधिकारियों का कहना है कि ई-केवायसी से पात्रता सत्यापन की प्रक्रिया तेज होती है, डुप्लीकेट एवं फर्जी लाभार्थियों की पहचान आसान होती है और योजनाओं का लाभ सही व्यक्ति तक पहुंचता है। डी-डुप्लीकेशन से बजट लीकेज पर रोक लगती है और सेवा-प्रदान व्यवस्था अधिक प्रभावी बनती है। कम प्रदर्शन वाले जिलों में अब अभियान मोड में ई-केवायसी कार्य तेज किया जाएगा। फील्ड-लेवल कैंप, जनजागरूकता गतिविधियों और पोर्टल-सहायता को बढ़ाने पर विशेष फोकस रहेगा। साथ ही सेवाओं के एकीकरण और प्रोफाइल अपडेट के लिए एमपी ई-सेवा पोर्टल के उपयोग को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक नागरिक डिजिटल माध्यम से अपनी जानकारी सत्यापित कर सकें।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक डॉ. राजेश जायसवाल के लिए, मां रेवा पब्लिकेशन जबलपुर 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे एम.आर.-4 रोड उखरी जबलपुर (म.प्र.) से मुद्रित और कल्चुरी भवन हाउस नं. 3367/1, विवेक नगर, आधारताल, जबलपुर (म.प्र.) से प्रकाशित ।
संपादक : डॉ.राजेश जायसवाल* सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के जिम्मेदार। आरएनआई नं. MPHIN/2014/60079 मो. 9425154229, फोन-0761-4085321 e-mail: tripuritimes@gmail.com